सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 147, नई दिल्ली । बुधवार, 07 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने किरदार की हिफाजत जान से बढ़कर कीजिये, क्योंकि इसे जिंदगी के बाद भी याद किया जाता है।

03 दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने विजेंद्र गुप्ता
06 बच्चों को मोबाइल फोन से चिपके रहने से कैसे रोकें?
08 जगन्नाथ पुरी मंदिर में दर्शन करके नगर में पधारने पर हुआ भव्य सम्मान

विशेष परिवहन आयुक्त और उपायुक्त ऑटो/टैक्सी शाखा दिल्ली को इलेक्ट्रिक पालिसी का ज्ञान नहीं या जान बुझकर अज्ञानी बन रहे हैं, बड़ा सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्सहान देने के उद्देश्य से समय समय पर कई घोषणाएं बजट में और गजट नोटिफिकेशन जारी हुए हैं पर यह जान कर आश्चर्य हुआ की दिल्ली परिवहन विभाग में विशेष आयुक्त और उपायुक्त आटो टैक्सी के पद पर आसीन अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन पालिसी के बारे मे एबीसी यानी कुछ भी नहीं पता। इलेक्ट्रिक वाहनों को सेक्शन 66 से छूट दी हुई है यानी इलेक्ट्रिक वाहनों को किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि करने के लिए परमिट की आवश्यकता नहीं है साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को किसी भी समय किसी भी क्षेत्र में जाने से रोक भी नही है। इसका गेजेट नोटीफिकेशन 18 अक्टूबर 2018 को जारी हुआ था और आश्चर्य की बात की दिल्ली परिवहन विभाग के प्रमुख पदों पर आसीन विशेष आयुक्त और उपायुक्त ऑटो/ टैक्सी को इसकी जानकारी नहीं और इलेक्ट्रिक वाहन के पंजीकरण के प्रति सवाल उठा रहे हैं।

डीएमआरसी का बड़ा अपडेट : दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों पर भीड़ बढ़ना तय

दिल्ली मेट्रो में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आज से सभी स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई। स्टेशन में प्रवेश से पहले यात्रियों की तीन स्तरीय सुरक्षा जांच की जाएगी। जिस कारण से लंबी-लंबी कतारों का लगना तय है। डीएमआरसी (DMRC) ने पहले ही यात्रियों से अपील की है कि वह घर से अतिरिक्त समय लेकर निकलें औरन सुरक्षा चेकिंग में सहयोग करें।

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। स्टेशन पर प्रत्येक यात्री को तीन स्तरीय सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ रहा है। इस वजह से यात्रियों की सुरक्षा जांच में समय लग रहा है।

यात्रियों को 15 से 20 मिनट लाइनों में करना पड़ा रहा इंतजार

इससे मंगलवार सुबह कई स्टेशनों पर सामान्य दिनों के मुकाबले यात्रियों को लंबी लाइन लग गई। इस वजह से सुरक्षा जांच के लिए यात्रियों को 15 से 20 मिनट लाइन में इंतजार करना पड़ा। इससे यात्रियों को सफर में विलंब हुआ।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) पहले ही सुरक्षा जांच के कारण होने वाले विलंब के मद्देनजर यात्रियों से यह अपील कर चुका है कि वे मेट्रो में सफर के लिए थोड़ा अतिरिक्त समय लेकर चलें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें।

कुछ स्टेशनों पर अभी भी तीन स्तरीय सुरक्षा जांच नहीं

सामान्य तौर पर मेट्रो स्टेशनों (Delhi Metro News) पर मेटल डिटेक्टर गेट से गुजरने के बाद एक बार सीआइएसएफ के जवान हाथ और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से सुरक्षा जांच करते हैं। अब मेटल डिटेक्टर गेट के आगे पहले सीआईएसएफ के जवान हाथ से सुरक्षा जांच करते हैं।

इसके बाद मेटल डिटेक्टर गेट से गुजरने के बाद सीआईएसएफ के जवान दोबारा जांच कर रहे हैं। लेकिन कुछ स्टेशनों पर अभी सुरक्षा जांच में हीलाहवाली जारी है। ऐसे स्टेशनों पर भी सख्ती बढ़ेगी।

"पार्यावरण पाठशाला: आरटीआई के माध्यम से तेंदुओं की सुरक्षा पर श्री रंजन तोमर से विशेष साक्षात्कार"

डॉ. अंकुर शरण

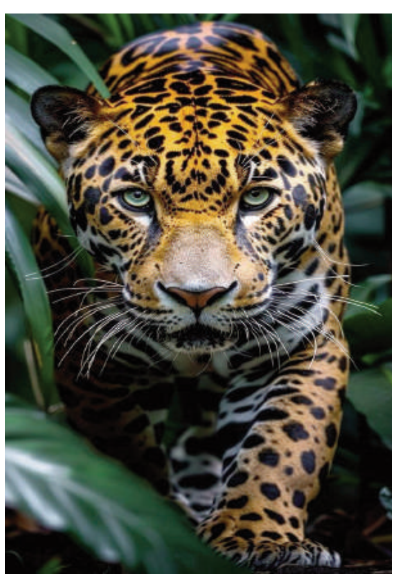

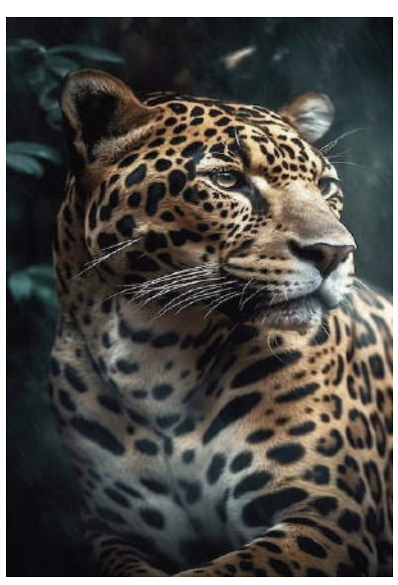

नॉएडा - पर्यावरण संरक्षण हेतु जानवरों के शिकार में कमी लाना बेहद आवश्यक है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो एक सरकारी तंत्र के रूप में इस कार्य को लगातार करने का प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही, नॉएडा के समाजसेवी भी इस ब्यूरो के माध्यम से वन्यजीवों के शिकार आदि की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचा रहे हैं, जिससे कई आवश्यक बदलाव आए हैं और कई जानवरों का शिकार कम हुआ है। इसमें बाघ, हाथी, एक सींग के गैंडे से लेकर गंगा डॉलफिन शामिल हैं। हाल ही में श्री तोमर ने ब्यूरो से यह जानकारी मांगी थी कि सन 2014 से आज तक कितने तेंदुओं को शिकारियों से ज़िंदा पकड़ा गया है। जिसके जवाब में ब्यूरो ने कहा है कि इस अवधि में 14 जीवित तेंदुओं को बचाया गया और 15 शिकारियों को गिरफ्तार किया गया।

विलुप्तप्राय है तेंदुआ

तेंदुआ मूल रूप से अफ्रीका और दक्षिण एशिया पाया जाने वाला स्तनधारी जीव है। संसार की 37 वन्य बिल्ली जातियों में से सबसे सफल वन्य बिड़ाल के रूप में प्रसिद्ध तेंदुए ने विभिन्न वास स्थलों में निवास करने और मनुष्य के साथ रहने के लिए अपने आपको ढाल लिया है। वह बहुत ही चालाक, रहस्यमयी, मौक़ापरस्त और फुर्तीला रात्रिचर परभक्षी है जो छोटे वन्य जीवों और पालतू पशुओं का शिकार करता है। चूंकि उसके आहार बनने वाले जीव गाँवों और कस्बों के बाहरी इलाकों में अधिक पाए जाते हैं, वह भी गाँवों और कस्बों के इर्द-गिर्द मंडराता रहता है। वह अपने शिकार को मुँह में दबाए आसानी से पेड़ पर चढ़ सकता है। उसकी दृष्टि और सुनने की शक्ति बहुत ही अच्छी होती है।

तेन्दुओं की बहुत सी उपप्रजातियाँ, विशेषकर एशिया में, विलुप्ति के कगार पर हैं। अन्य बड़ी बिल्लियों की तुलना में तेन्दुए सबसे बड़े क्षेत्रों में रहते हैं और इस कारण इनकी बहुत सी उपप्रजातियाँ पाई जाती हैं। लेकिन एशिया में इनकी कई उपप्रजातियाँ लुप्त हो चुकी हैं, जैसे कि होंग कोंग, लीबिया, ट्यूनीसिया, कुवैत, सिंगापूर और मोरक्को से जो बहुत चिंताजनक है।

श्री रंजन तोमर से विशेष बातचीत

प्रश्न: श्री तोमर, आपने आरटीआई के माध्यम से तेंदुओं की सुरक्षा के बारे में जानकारी मांगी थी। इस पर आपकी प्रतिक्रिया क्या है?

उत्तर: मैंने यह जानने के लिए आरटीआई दाखिल की थी कि तेंदुओं की सुरक्षा के लिए अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और इसके क्या परिणाम निकले हैं। यह जानकर खुशी हुई कि 14 जीवित तेंदुओं को बचाया गया और 15 शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन हमें और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि तेंदुओं और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रश्न: तेंदुओं की सुरक्षा में सबसे बड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

उत्तर: तेंदुओं की सुरक्षा में सबसे बड़ी चुनौती उनका प्राकृतिक आवास समाप्त होना है। जंगल कटाई, शहरीकरण और कृषि के विस्तार के कारण उनके रहने की जगह कम हो रही है। इसके अलावा, अवैध शिकार भी एक बड़ी समस्या है, जिसे हमें सख्ती से रोकना होगा।

प्रश्न: तेंदुओं की सुरक्षा के लिए आपके सुझाव क्या हैं?

उत्तर: तेंदुओं की सुरक्षा के लिए हमें सबसे पहले उनके आवास की सुरक्षा करनी होगी। वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, अवैध शिकार पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और जनता को जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग कर सकें।

प्रश्न: वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की भूमिका को आप कैसे देखते हैं?

उत्तर: वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए। वे शिकारियों को पकड़ने और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। लेकिन हमें और भी अधिक संसाधनों और सहयोग की आवश्यकता है ताकि इन प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इस प्रकार, श्री रंजन तोमर के प्रयासों और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के सहयोग से तेंदुओं की सुरक्षा में सुधार हुआ है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है ताकि तेंदुए और अन्य वन्यजीव सुरक्षित रह सकें और उनका प्राकृतिक आवास संरक्षित रहे।

पर्यावरण पाठशाला के माध्यम से पर्यावरण को बचाने हेतु हर संभव प्रयास के लिए लोगों की बातों को, उनके संवादों को, और उनके कार्यों को हम प्रमुखता से शासन-प्रशासन के सामने रखते हैं, ताकि समय रहते उस पर कार्य किया जा सके। पर्यावरण ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब समय है पर्यावरण के ऐसे योद्धाओं की कहानियों को आप तक लाने का, ताकि हम सब इंसानियत का फर्ज अदा कर सकें। यदि आपके पास कुछ कहानियाँ या बातें साझा करने को हैं, तो निम्नलिखित ईमेल पर संपर्क करें:
indiangreenbuddy@gmail.com

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- परिवहन निगम में 327 करोड़ रुपये से होगी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद, पैसा जारी

हिमाचल पथ परिवहन निगम की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए एचआरटीसी को 327 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

जल्द ही एचआरटीसी के बेड़े में नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ जाएंगी। प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए एचआरटीसी को 327 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। मंगलवार को एचआरटीसी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार निगम को आर्थिक घाटे से उबारने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी और निगम को आत्मनिर्भर बनाएगी। एचआरटीसी बस सेवा प्रदेश के लोगों के लिए जीवन रेखा का कार्य करती है। परिवहन निगम लोगों को सुलभ और सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध करवा रहा है और निगम के 12 हजार कर्मचारी इस संस्था की नींव हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम को हरित परिवहन प्रणाली में परिवर्तित किया जा रहा है और विश्वसनीय परिवहन सेवा के लिए निगम में इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को शामिल किया गया है। मौजूदा समय में निगम 110 ई-बसें और 50 ई-टैक्सियां चला रहा है। निगम को घाटे से उबारने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए 327 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। निगम के लिए दो हजार टाइप-2 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद प्रक्रिया भी चल रही है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि निगम धार्मिक स्थानों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। इस कड़ी में पहले चरण में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या के लिए छह बसों की सुविधा दी गई है और भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि पिछले सात महीनों से निगम के कर्मचारियों और पेंशनरों को हर माह के पहली तारीख को वेतन और पेंशन मिल रहा है, जबकि पिछली भाजपा सरकार के दौरान कर्मचारियों और पेंशनरों को आठ से 10 दिनों के बाद वित्तीय अदायगी की जाती थी। बैठक में प्रदेश सरकार के अधोसंरचना सलाहकार अनिल कपिल, प्रधान सचिव परिवहन आरडी नजीम, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, निगम के प्रबंध निदेशक रोहन चंद मौजूद रहे।

एअर इंडिया ने ढाका के लिए उड़ान सेवाएं की बहाल

इंडिगो ने नहीं शुरू की उड़ान; अब यात्रियों के पास दो विकल्प

एअर इंडिया ने मंगलवार को ढाका को जाने वाली उड़ान सेवाएं बहाल कर दी है। उधर इंडिगो की ढाका को जाने वाली संख्या 6ई 1103 रद ही रही। दोनों ने ही सोमवार को बांग्लादेश को जाने वाली उड़ानों को रद करने की बात कही थी। वहीं अब यात्रियों के पास दो विकल्प है। जानिए दोनों विकल्प क्या है?

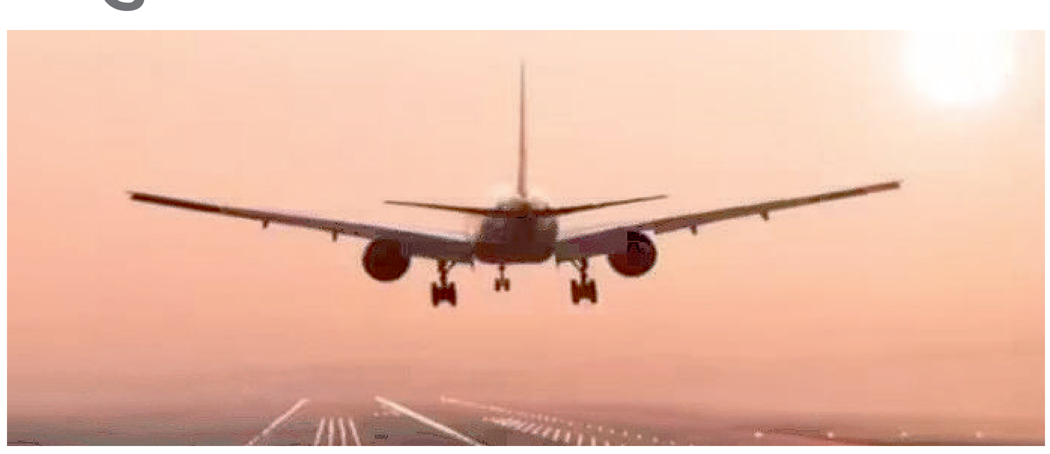

नई दिल्ली। सोमवार को एअर इंडिया ने बांगलादेश के लिए अपनी उड़ानों को रद करने की बात कही थी, लेकिन मंगलवार को इसे बहाल कर दिया गया। हालांकि, नई दिल्ली से जाने वाली एअर इंडिया की कुल दो उड़ानों में से एक को रद कर दिया गया और एक को शाम रवाना करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इंडिगो ने नहीं शुरू की उड़ान

सोमवार के एअर इंडिया के साथ इंडिगो ने भी अगले आदेश के लिए बांग्लादेश को जाने वाली उड़ानों को स्थगित कर दिया था। मंगलवार को ढाका को जाने वाली संख्या 6ई 1103 रद ही रही।

इंडिगो के अलावा विस्तारा की ढाका को जाने वाली उड़ान संख्या यूके 181 को भी सुबह रद कर दिया गया। विस्तारा ने अभी आधिकारिक तौर पर आगे के लिए ढाका को जाने वाली उड़ानों को स्थगित करने की बात तो नहीं कही है, लेकिन यात्रियों से यह जरूर अनुरोध किया है कि वे एयरलाइंस की वेबसाइट पर नजर रखें। पूरी तरह स्थिति स्पष्ट हो जाने के बाद ही एयरपोर्ट के लिए निकलें।

यात्रियों के पास दो विकल्प

एअर इंडिया के विमान की आवाजाही शुरू होने के बाद अब ढाका को जाने वाले यात्रियों के साथ बांग्लादेश बिमान एयरलाइंस व एअर इंडिया दोनों की उड़ान लेने का विकल्प है। बांग्लादेश बिमान एयरलाइंस ही अभी एकमात्र ऐसी एयरलाइंस है, जिसने ढाका से नई दिल्ली के बीच की आवाजाही को कायम रखा हुआ है।

वहीं, सोमवार दोपहर बाद ढाका में तेजी से बदली राजनीतिक परिदृश्य के बीच जब सभी एयरलाइंस ने अपनी उड़ानों को रद कर दिया था, तो भी बांग्लादेश बिमान एयरलाइंस ने आवाजाही जारी रही। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे आइजीआइ एयरपोर्ट से ढाका के लिए इसके विमान ने उड़ान भरी थी।

ढाका एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही पर जबरदस्त असर

उधर, ढाका स्थित हजरत शाह जलाल एयरपोर्ट की बात करें तो यहां मंगलवार को उड़ान सेवाएं जबदस्त प्रभावित रही। यहां से रोजाना 324 उड़ानों की आवाजाही होती है।

वहीं, मंगलवार को केवल प्रस्थान की बात करें तो करीब 70 उड़ानों को रद किया गया। 70 उड़ानों को रद करने का अर्थ 70 उड़ानों के आगमन का भी बाधित होना है। रद उड़ानों में अधिकांश उड़ानें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की रहीं।

उमंग व उल्लास का पर्व है हरियाली तीज

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है।

श्रावण में वर्षात के मौसम में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और ह्रदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द

कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

21 अगस्त को भारत में लॉन्च होने से पहले iQOO Z9s, iQOO Z9s Pro की कीमत रेंज, जानें इसकी स्पेसिफिकेशन

iQOO Z9s सीरीज 21 अगस्त को भारत में लॉन्च होने के लिए पूरी तरह तैयार है। आधिकारिक लॉन्च से पहले, वीवो सब ब्रांड ने आगामी स्मार्टफोन के बारे में मूल्य सीमा, बैटरी, डिस्प्ले और बहुत कुछ सहित कई विवरणों की पुष्टि की है।

वीवो सब-ब्रांड iQOO ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि वह भारत में अपनी नवीनतम मिड-रेंज पेशकश iQOO Z9s और iQOO Z9s Pro 21 अगस्त को लॉन्च करेगा। निर्धारित लॉन्च से पहले, कंपनी ने कई तस्वीरें भी साझा की हैं। दोनों उपकरणों के बारे में मुख्य विशेषताएं और उनकी मूल्य सीमा।

iQOO Z9s और iQOO Z9 Pro स्पेसिफिकेशन

iQOO ने पुष्टि की है कि Z9s Pro क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट द्वारा संचालित होगा और इसमें 820K से अधिक का एंटुटु स्कोर होगा, जो अन्य स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 फोन के बेंचमार्क स्कोर से काफी अधिक माना जाता है।

इस बीच, कंपनी ने यह भी कहा है कि Z9s Pro में 120Hz 3D कर्व्ड AMOLED पैनल और 4500 निट्स की अधिकतम ब्राइटनेस होगी। iQOO का कहना है कि यह ₹25,000 मूल्य वर्ग के तहत भारत में सबसे चमकदार डिस्प्ले होगा। फोन के दो रंगों में आने की पुष्टि की गई है: फ्लेमबॉयंट ओरेगन और लक्स मार्बल।

iQOO Z9s और iQOO Z9s Pro 50MP Sony IMX 882 प्राइमरी सेंसर के साथ ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (OIS), 4K वीडियो रिकॉर्डिंग और नाइट मोड सपोर्ट के साथ आएंगे। इनमें 8MP अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस होने की भी पुष्टि की गई है। इसके अलावा, iQOO ने AI फोटो एन्हांस और AI इरेज जैसे कुछ सॉफ्टवेयर फीचर्स की भी पुष्टि की है। Z9s Pro में 5,500 एमएएच की बैटरी होने की भी पुष्टि की गई है। इन विशिष्टताओं और मूल्य सीमा के साथ ऐसा लगता है कि iQOO सीधे तौर पर ₹25,000 से कम मूल्य खंड में वनप्लस नॉर्ड सीई 4 के प्रभुत्व को चुनौती देना चाहता है।

इस बीच, iQOO Z9s के फ्रंट पर 3D कर्व्ड AMOLED पैनल के साथ आने की भी पुष्टि की गई है, लेकिन 1800 निट्स की निचली अधिकतम चमक के साथ। बताया गया है कि दोनों डिवाइस सिर्फ 7.49 मिमी की मोटाई के साथ आते हैं।

श्रीकृष्ण के इस तरफ राधा रानी को करना चाहिए स्थापित, जानिए इसका कारण

अगर आप भी अपने घर के मंदिर में श्रीकृष्ण और राधा रानी की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं, तो पहले यह जरूर जान लेना चाहिए कि श्रीकृष्ण के किस ओर राधा रानी को स्थापित करना चाहिए।

हम में से बहुत सारे लोगों के घर के मंदिर में श्रीराधा रानी और भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा जरूर होगी। लोग विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की पूजा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देवी राधा को भगवान श्रीकृष्ण के किस ओर बैठाना यानी की स्थापित करना चाहिए।

अगर आपका जवाब न है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि श्रीकृष्ण के किस ओर राधा रानी को स्थापित करना चाहिए और इसके पीछे का क्या कारण है।

श्रीकृष्ण के किस ओर राधा रानी को बैठाएं

बता दें कि देवी राधा श्रीकृष्ण की आराध्य शक्ति हैं। इसलिए बिना राधा रानी के श्रीकृष्ण की मूर्ति को घर में स्थापित नहीं करना चाहिए। क्योंकि जहां पर श्रीराधा नहीं होती हैं, वहां पर भगवान कृष्ण भी वास नहीं करते हैं। हालांकि अगर आप अपने घर में देवी राधा को घर में स्थापित करने जा रहे हैं, तो उनकी दिशा और स्थान का भी ध्यान रखें।

देवी राधा श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और उनका श्रीकृष्ण से विवाह भी हुआ था। बताया जाता है कि ब्रह्म देव ने गुप्त रूप से राधा रानी और श्रीकृष्ण का विवाह कराया था। इसलिए श्रीराधा को भगवान कृष्ण के उल्टे हाथ की ओर स्थापित करना चाहिए। क्योंकि उल्टा भाग वामांगी यानी की पत्नी का होता है।

वहीं बहुत सारे लोग यह नहीं मानते हैं कि भगवान कृष्ण और राधा रानी का ब्रह्म विवाह हुआ था। जिसके कारण वह लोग श्रीकृष्ण के सीधे हाथ की ओर राधा रानी को विराजित करते हैं। धार्मिक शास्त्रों में श्रीराधा को श्रीकृष्ण के बांई ओर स्थापित करने का वर्णन मिलता है। राधा रानी को श्रीकृष्ण के दाईं ओर स्थापित करना शुभ नहीं माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, श्री कृष्ण के सीधे ओर राधा रानी को स्थापित करने से दांपत्य जीवन के कष्ट दूर होते हैं। वहीं अगर आप मनवांछित जीवनसाथी चाहते हैं, तो आने वाली बाधाएं दूर हो जाती हैं।

ऑफिस में खुद को तरोताजा और आकर्षक बनाए रखने के लिए फॉलो करें ये 8 सरल स्किनकेयर हैक्स

अगर आप भी कार्यस्थल पर अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहते हैं? एक बेहतरीन त्वचा देखभाल दिनचर्या मदद कर सकती है! आपकी त्वचा को चमकदार बनाए रखने और काम में आपको सर्वश्रेष्ठ महसूस कराने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं।

कार्यस्थल पर आत्मविश्वास सिर्फ सही कपड़े पहनने या प्रेजेंटेशन तकनीकों में महारत हासिल करने से कहीं अधिक आप पर निर्भर करता है। अगर आप आपकी खुद की त्वचा को आरामदायक और आत्मविश्वास महसूस करने के बारे में जरुर सोचना चाहिए। पेशेवर क्षेत्र में, आत्मविश्वास प्रदर्शित करना महत्वपूर्ण है। जबकि आपकी विशेषज्ञता और कौशल आपके करियर की सफलता की रीढ़ हैं, एक शानदार और अच्छी तरह से तैयार उपस्थिति बनाए रखने से आपकी पेशेवर छवि को काफी बढ़ावा मिल सकता है। एक प्रभावी त्वचा देखभाल दिनचर्या उस संयमित और आत्मविश्वासपूर्ण लुक को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण घटक है।

फॉलो करें ये 8 स्किन केयर टिप्स

एक ठोस दिनचर्या से शुरुआत करें

-क्लींजर का प्रयोग: अपनी त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीने बिना गंदगी, तेल और अशुद्धियों को हटाने के लिए एक सौम्य क्लींजर का उपयोग करें। प्रतिदिन सुबह और शाम दो बार सफाई करें।

-टोनिंग: टोनर आपकी त्वचा के पीएच को संतुलित करने और इसे आपकी दिनचर्या के अगले स्टेप के लिए तैयार करने में मदद कर सकता है। अपनी त्वचा को शुष्क होने से बचाने के लिए अल्कोहल-मुक्त टोनर चुनें।

-मॉइस्चराइजिंग: हाइड्रेशन सभी प्रकार की त्वचा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसा मॉइस्चराइज़र चुनें जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुरूप हो - तैलीय त्वचा के लिए हल्के जैल और ड्राई त्वचा के लिए समृद्ध क्रीम।

-धूप से सुरक्षा: सनस्क्रीन से समझौता नहीं किया जा सकता। यूवी क्षति से बचाने के लिए, घर के अंदर भी, हर दिन ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एसपीएफ30 या उच्चतर का उपयोग करें।

हाइड्रेशन जरुरी

निर्जलित त्वचा सुस्त और थकी हुई दिख सकती है। दिन भर में भरपूर पानी पीना महत्वपूर्ण है, लेकिन हाइड्रेटिंग त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करने से अतिरिक्त बढ़ावा मिल सकता है। नमी बनाए रखने और अपनी त्वचा को कोमल और चमकदार बनाए रखने के लिए हयालूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन और सेरामाइड्स जैसे इंग्रेडिएंटकी तलाश करें। लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के लिए, प्रोफिलो के साथ बायो-रीमॉडलिंग जैसे उपचारों पर विचार करें, जो चेहरे, गर्दन और हाथों को गहराई से हाइड्रेट करने और लोच में सुधार करने के लिए अल्ट्राप्योर हयालूरोनिक एसिड का उपयोग करता है।

आंखों की देखभाल

आपकी आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा अक्सर थकान और उम्र बढ़ने के लक्षण दिखाने वाला पहला क्षेत्र है। काले घेरे, सूजन और बारीक रेखाओं जैसी समस्याओं से निपटने के लिए आई क्रीम का उपयोग करें। कैफीन, विटामिन सी और पेप्टाइड्स जैसे तत्व आंखों के नीचे के क्षेत्र को चमकदार और मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं, जिससे आप अधिक सतर्क और युवा दिखते हैं।

नियमित रूप से एक्सफोलिएट करें

नियमित एक्सफोलिएशन मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे त्वचा चिकनी और अधिक चमकदार होती है। सप्ताह में 1-2 बार हल्के स्क्रब या अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) या बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड (बीएचए) युक्त रासायनिक एक्सफोलिएंट का उपयोग करके एक्सफोलिएट करने का लक्ष्य रखें। यह त्वचा की बनावट में सुधार कर सकता है और अन्य त्वचा देखभाल उत्पादों के अवशोषण को बढ़ा सकता है।

अच्छे से आराम करें

नींद समग्र स्वास्थ्य और त्वचा देखभाल दोनों का एक महत्वपूर्ण घटक है। नींद की कमी से काले घेरे, सूजन और रंग फीका पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपकी त्वचा ताजा और तरोताजा दिखे, हर रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद का लक्ष्य रखें। लगातार सोने का शेड्यूल आपकी त्वचा की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रियाओं को विनियमित करने में भी मदद कर सकता है।

तनाव का प्रबंधन करें

तनाव आपकी त्वचा पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे मुंहासे और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। तनाव प्रबंधन तकनीकों जैसे व्यायाम, ध्यान, या यहां तक कि हर दिन कुछ मिनट गहरी सांस लेने को शामिल करें। तनाव पर नियंत्रण रखने से रंग साफ, स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

न्यूनतम मेकअप, अधिकतम प्रभाव

ऐसे सेट-अप में प्राकृतिक, पॉलिश किया हुआ लुक अक्सर सबसे उपयुक्त होता है। ऐसे मेकअप का चयन करें जो बहुत ज़्यादा मेकअप किए बिना आपकी विशेषताओं को निखारे। एक हल्का फाउंडेशन या बीबी क्रीम, मस्कारा का एक स्पर्श और एक न्यूट्रल लिप कलर आपको एक साथ और पेशेवर दिखने में मदद कर सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पूरे कार्यदिवस तक बना रहे, अपने मेकअप को सेटिंग स्प्रे या पाउडर से सेट करना न भूलें।

पौष्टिक आहार लें

विटामिन और खनिजों से भरपूर संतुलित आहार स्वस्थ त्वचा का समर्थन करता है। आपकी त्वचा को बेहतरीन दिखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए अपने भोजन में फल, सब्जियां, लीन प्रोटीन और स्वस्थ वसा शामिल करें।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने विजेंद्र गुप्ता

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दिल्ली के रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता को बीजेपी ने दूसरी बार दिल्ली विधान सभा का नेता विपक्ष घोषित किया है। इससे पहले वह 2015 से 2020 तक बीजेपी ने नेता प्रतिपक्ष बनाया था। बता दें कि उस वक्त दिल्ली विधानसभा में भाजपा के सिर्फ 3 विधायक थे। तीनों में से एक विजेंद्र गुप्ता रहे । वर्ष 2020 में विधानसभा चुनाव के बाद रामवीर सिंह विधुडी को नेता प्रतिपक्ष बनाया था। अब वह बदर पुर से सांसद बन गए है। सांसद बनने के बाद उनकी नेता प्रतिपक्ष की सीट खाली थी। सोमवार को विधायक दल की बीजेपी कार्यालय में एक बैठक बुलाई गई, जिसमें पार्टी के सह प्रभारी डॉ.अल्का गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ,संगठन महामंत्री पवन राणा सहित बीजेपी के सातों विधायक उपस्थित थे। अजय महावर ने विजेंद्र गुप्ता का नाम विधायक दल के नेता के रूप में प्रस्तावित किया।जिसका करावल नगर से विधायक मोहन सिंह बिष्ट,विश्वास नगर से विधायक ओपी शर्मा, अनिल वाजपेई ,अभय वर्मा, और जितेंद्र महाजन ने समर्थन किया। विजेंद्र गुप्ता के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद आम आदमी पार्टी ने कहा कि हम विजेंद्र गुप्ता से सकारात्मक राजनीति की उम्मीद करते है।

पूर्वानुमान को लेकर कटघरे में खड़ा मौसम विभाग गलत साबित हो रहा, आज भी हैं बारिश के आसार

मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हो रहा है। मौसम विभाग ने मंगलवार को बारिश की संभावना जताई थी लेकिन वह भी गलत साबित हुआ है। अब IMD ने आज और कल बारिश की संभावना जताई है। मंगलवार को बारिश न होने के चलते तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार को भी सामान्यतया बादल छाए रहेंगे।

नई दिल्ली। मानसून के इस सीजन में अपने पूर्वानुमानों को लेकर लगातार कठघरे में खड़े मौसम विभाग की भविष्यवाणी मंगलवार को भी गलत साबित हुई। येलो अलर्ट था हल्की से मध्यम वर्षा का, लेकिन दिन भर में कहीं बूंदाबांदी तक नहीं हुई।

हालांकि सूरज और बादलों के बीच लुकाछिपी चलती रही, लेकिन वर्षा न होने से एक दिन पूर्व की तुलना में तापमान में भी वृद्धि देखने को मिली। अब मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा का पूर्वानुमान बुधवार और बृहस्पतिवार के लिए जारी किया है।

कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार को भी सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने एवं हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के आसार हैं। यही स्थिति बृहस्पतिवार को रहेगी। दोनों ही दिन अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 और 27 डिग्री रह सकता है। येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 27.5 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 91 से 63 प्रतिशत रहा।

कैसी है हवा की गुणवत्ता

वहीं मंगलवार को भी दिल्ली की हवा साफ रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक राजधानी का एक्यूआई 60 दर्ज किया गया। इस स्तर की हवा को "संतोषजनक" श्रेणी में रखा जाता है। फिलहाल इसमें ज्यादा बदलाव होने के आसार नहीं हैं। वायु प्रदूषण से राहत बरकरार रहेगी।

साइबर जालसाजों ने एक अधिकारी को दिखाया जेल भेजने का डर, ठग लिए 13 लाख

फर्जी मामले में जेल भेजने का डर दिखाकर सरकारी अधिकारी से साइबर जालसाजों ने 13 लाख ठग लिए। जालसाजों ने पीड़ित को नरेश गोयल जेट एयरवेज स्कैम में मुख्य संदिग्ध बताकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने बताया कि वह के एएसआई विभाग में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि उनके नाम पर एक और मोबाइल नंबर है।

नई दिल्ली। साइबर जालसाजों ने फर्जी मामले में फंसे होने का डर दिखाकर एक उच्च अधिकारी से 13 लाख रुपये ठग लिये। जालसाजों ने पीड़ित को नरेश गोयल जेट एयरवेज स्कैम में मुख्य संदिग्ध बताकर वारदात को अंजाम दिया। इस संबंध में दक्षिणी जिले की साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में 58 वर्षीय पीड़ित ने बताया कि वह के एएसआई विभाग में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। करीब चार महीने पहले उनके मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को टेलीकाम रेगुलेटरी अथारिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) का जांच अधिकारी बताया। उसने अपना नाम संजीव कुमार बताया।

थाने में ट्रांसफर की कॉल

आरोपी ने पीड़ित से कहा कि उनके नाम पर एक और मोबाइल नंबर है। इससे संबंधित एफआईआर पिछले साल मुंबई के डीबी मार्ग पुलिस थाने में दर्ज की गई है। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित को डराने के लिए कॉल डीबी मार्ग पुलिस थाने के कथित सिपाही को ट्रांसफर कर दी।

ले लिया आधार कार्ड

सिपाही ने अपना नाम विनोद कुमार बताया। उसने पीड़ित से कहा कि वह नरेश गोयल जेट एयरवेज स्कैम में मुख्य संदिग्धों में से एक हैं। इसके बाद जालसाज ने उनसे लैपटॉप में स्काइप ऐप डाउनलोड कराया और उनसे आधार कार्ड ले लिया।

पांच अगस्त से पहले पाकिस्तानी स्लीपर सैल को अवंतिका के एक घर से पुलिस ने धर दबोचा

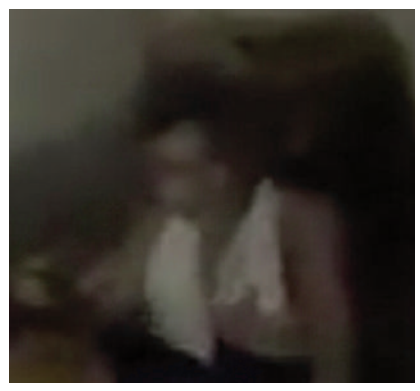

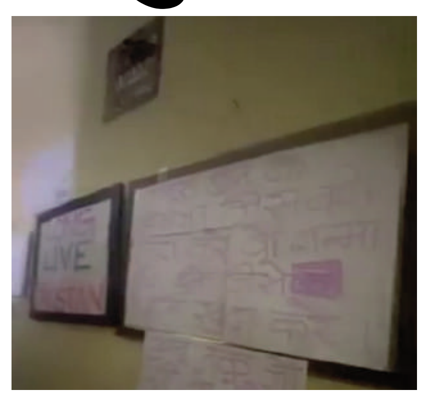

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

15 अगस्त से पहले दिल्ली में पाकिस्तानी स्लीपर सैल एक्टिव हो गए हैं। रोहिणी के अवंतिका सैक्टर-1 के सी ब्लॉक में विजय विहार थाने से महज चंद कदमों की दूरी पर पुलिस से बेखौफ रह रहा था। जब स्थानीय पूर्व निगम पार्षद मनीष चौधरी, और निगम पार्षद के उम्मीदवार रहे मनोज मलिक , इलाकई लोगों को साथ लेकर उसके ठिकाने पर धावा बोला तो वह बडे इत्मीनान से दिन के वक्त घर की तमाम लाईट बंद कर अंधेरे में बैठा था। उसके कमरे की दिवारों पर बाकायदा फ्रेम में नारे लिखे हुए थे। ₹पाकिस्तान जिंदाबाद₹ ₹लोंग लीव पाकिस्तान ₹ इसके अलावा पूरी ताकीद में लिखा था कि जंग है ,जंग है काफिरों से,अब दो नहीं एक ही जाति रहेगी। काफिर या हम।अब इसका फैसला तलवार करेगी, जब भूचाल की आमद होती है ,तो सबसे पहले कुत्तो के कान खडे हो जाते हैं। जब इलाके के लोगो ने उसे पकडा तो उसने अपने इरादे जताते हुए कहा कि अब ऐसी जंग होगी जो,इतिहास बनेगी। दूध पीता बच्चा भी काट दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने जब उसकी जमकर क्लास ली तो उसने अपने मिशन का खुलासा करते हुए कहा कि उसे छोटे-छोटे बच्चों को उठाने का मिशन मिला है। वह चिल्ला चिल्ला कर कह रहा था कि उसे पाकिस्तान से प्यार है। मुहब्बत है दिल आ गया है। अब आरोपी आतंकी विजय विहार थाने की पुलिस हिरासत में है। उससे पूछताछ जारी है। लोगो का कहना है कि हम हैरान है कि पाकिस्तान के स्लीपर सैल के लोग हमारे बीच में रह रहे है। जिसका किसी को इल्म तक नही है। ये बहुत बडी साजिश की बू आ रही है। बहरहाल वह पाकिस्तानी स्लीपर सैल का आतंकी पुलिस की हिरासत में है। उसकी जांच चल रही है।

दिल्ली में विकास क्यों नहीं पकड़ रहा रफ्तार ? सुप्रीम कोर्ट के आदेश से खुला कमेटियों के गठन का रास्ता; पर लगेगा समय

राजधानी में दिल्ली नगर निगम की समितियों का गठन लंबित होने से योजनाएं अटक गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद समितियों के गठन का रास्ता तो खुल गया है लेकिन अभी इनकी प्रक्रिया पूरी होने में दो महीने का समय लगेगा। माना जा रहा है कि नवंबर तक ही स्थायी समिति का गठन होगा। समितियों का गठन होने के बाद दिल्ली के विकास को रफ्तार मिलेगी।

नई दिल्ली। Delhi News करीब 18 माह से दिल्ली नगर निगम की वार्ड कमेटियों से लेकर स्थायी समिति का गठन लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद इन कमेटियों का गठन का रास्ता तो खुल गया है, लेकिन अभी करीब दो माह का समय लगेगा।

छह जनवरी 2023 को होना था महापौर का चुनाव

बशर्ते किसी कमेटी में कोई झगड़ा और विवाद महापौर व उप महापौर चुनाव की तरह न हो, क्योंकि महापौर का चुनाव जहां छह जनवरी 2023 को होना था, वह फरवरी के मध्य में जाकर पूरा हो पाया था। हंगामे के चलते बार-बार सदन की बैठक स्थगित हुई थी। ऐसी ही स्थिति वार्ड कमेटियों के चेयरमैन से लेकर डिप्टी चेयरमैन व स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव में हो सकती है।

निगम के प्रेस एवं सूचना विभाग के पूर्व निदेशक योंगेद्र सिंह मान कहते हैं कि महापौर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अगर निगमायुक्त को वार्ड कमेटी के गठन का आदेश दे दें, तो अगले सप्ताह निगम इससे संबंधित चुनाव का नोटिफिकेशन निकाल सकता है। इसमें निगमायुक्त को इन वार्ड कमेटियों के चुनाव की तारीख तय करनी होती है, जबकि महापौर को इन वार्ड कमेटियों के चुनाव के लिए एक पीठासीन अधिकारी नियुक्त करना होता है।

क्या कहते हैं पूर्व निदेशक योंगेद्र सिंह मान...

मान ने बताया कि महापौर के आदेश के बाद अगले सप्ताह से इसकी नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इसमें सात दिन का समय न्यूनतम देना होता है। नामांकन होने के बाद 19-20 अगस्त तक यह चुनाव हो सकते हैं। इसके बाद पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद से कमलजीत सहरावत ने पार्षद और स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव से इस्तीफा दे दिया है।

ऐसे में पार्षद का उप चुनाव तो राज्य चुनाव आयोग कराएगा, लेकिन कमलजीत सहरावत के इस्तीफे से रिक्त हुए स्थायी समिति के सदस्य का चुनाव भी स्थायी समिति के गठन से पहले निगम को कराना होगा। यानि निगम को इसके लिए सितंबर के सदन की बैठक में यह प्रक्रिया करानी होगी। फिर स्थायी समिति के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन का चुनाव होगा। इसके नामांकन में भी न्यूनतम सात दिन का लगेगा। यानी अधिकतम नंवबर के पहले सप्ताह में यह सारी प्रक्रिया पूरी हो सकती है। बशर्ते राजनीतिक दलों में इच्छाशक्ति हो कि वह चुनाव कराएं।

कैसे होता है वार्ड कमेटी का चुनाव

-महापौर, निगमायुक्त को आदेश देगी कि वह वार्ड कमेटी के गठन का चुनाव कराएं।

-निगायुक्त महापौर के आदेश के बाद वार्ड कमेटी के चुनाव की तारीख तय करते हैं।

-महापौर इन वार्ड कमेटियों के चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती हैं।

-इसके बाद निगम मुख्यालय में चुनाव की प्रक्रिया कराई जाती है, जिसमें निगम सचिव मौजूद रहते हैं।

स्थायी समिति का गठन न होने से यह योजना हैं मंजूरी के लिए लंबित

- 60 से अधिक ले आउट प्लान इसमें डीयू का छात्रावास , हरि नगर में डीटीसी की टाउनशिप, डीडीयू मार्ग में केंद्रीय मुद्राणालय में एक बहुमंजिला टावर शामिल है।

-जंगपुरा में निगम का डाग पार्क बनकर 2022 से ही तैयार पड़ा है लेकिन इसके संचालन के लिए एजेंसी के चयन का प्रस्ताव स्थायी समिति की मंजूरी के लिए लंबित है।

-सेंट्रल जोन में कूड़ा उठाने की निविदा एक एजेंसी को दी जानी है इसकी मंजूरी भी स्थायी समिति के लिए लंबित है।

-लाहोरी गैट में एक संग्राहलय बनना है इसमें कुछ वित्तीय मंजूरी चाहिए जिसकी वजह से यह परियोजना अधर में लटकी है।

-भलस्वा और गाजीपुर और ओखला में लैंडफिल साइटों से 30 लाख टन कूड़े के निस्तारण का कार्य भी आवंटित करने का प्रस्ताव स्थायी समिति के लिए लंबित है।

-टोल कलेक्शन के लिए एक एजेंसी का चयन करना है। इसके लिए निविदा निगम ने कर रखी है। नई एजेंसी को नए रेट पर यह कार्य दिए जाने का प्रस्ताव भी स्थायी समिति की मंजूरी के लिए लंबित है।

-अनधिकृत कालोनियों में तीन माडल कालोनियों को नियमित करना है। इनका ले आउट प्लान मंजूर करने की प्रक्रिया शुरू होनी है। इसकी मंजूरी भी स्थायी समिति से लेनी होगी।

-60 फिट से चौड़ी सड़कों पर निगम सफाई और धुंलाई का काम लेने जा रहा है। इस परियोजना को भी स्थायी समिति से मंजूरी दी जानी है।

कुल सदस्य	250
मनोनीत सजस्य	10
भाजपा	103
आप	135
कांग्रेस	9
निर्दलीय	2
रिक्त	1

वक्फ बोर्ड कानून में संसोधन का सूफी काउंसिल ने किया समर्थन, जमीयत और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का भी आया बयान

केंद्र सरकार वक्फ एक्ट 2013 में लगभग 40 संशोधनों के साथ नया वक्फ संशोधन विधेयक 2024 संसद में प्रस्तुत करने जा रही है। इसका एक ओर सूफी काउंसिल ने समर्थन किया है तो वहीं जमीयत उलेमा-ए-हिंद व मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठन विरोध कर रहे हैं। सूफी काउंसिल ने कहा कि वक्फ बोर्ड अपने मौजूदा स्वरूप में तानाशाही तरीके से काम कर रहे हैं।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के निर्णय का अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीं परिषद (एआईएसएससी) ने समर्थन करते हुए पृथक दरगाह बोर्ड की मांग की है। वहीं, जमीयत उलेमा-ए-हिंद व मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठनों ने विरोध जताया है।

इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में एआईएसएससी (AISSC) के अध्यक्ष हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने आरोप लगाते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड अपने मौजूदा स्वरूप में तानाशाही तरीके से काम कर रहे हैं, जिनमें बिल्कुल भी पारदर्शिता नहीं है।

अलग दरगाह बोर्ड बनाने की मांग

वक्फ अधिनियम में दरगाहों का कोई जिक्र नहीं है, क्योंकि वक्फ बोर्ड दरगाह की परंपराओं को मान्यता नहीं देते हैं। हमारी कई परंपराएं शरिया में नहीं हैं, इसलिए हम एक अलग दरगाह बोर्ड की मांग करते हैं।

उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक में सभी हितधारकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि अपनी चिंताओं को एक दिन पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात में एआईएसएससी के प्रतिनिधिमंडल ने अवगत करा दिया है।

सरकार की नीयत को बताया खराब

वहीं, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार की नीयत खराब है। वह हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहती है और मुसलमानों की अरबों खरबों की संपत्तियों को हड़प लेना चाहती है।

हमें ऐसा कोई संशोधन स्वीकार नहीं है, जो वक्फ की स्थिति को बदल दे। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इस फैसले का विरोध करते हुए स्पष्ट किया है कि उसे वक्फ बोर्ड में बदलाव स्वीकार नहीं है। बृहस्पतिवार को उसके शीर्ष पदाधिकारियों की इस मुद्दे पर बैठक भी है।

संसद भवन की सुरक्षा लेकर लिया गया बड़ा फैसला, सुरक्षाकर्मी पहनेंगे स्पेशल ड्यूटी कार्ड

संसद भवन के बाहर सुरक्षा में खड़े होने वाले पुलिस कर्मियों के लिए एक बदलाव किया गया है। वह अब एक विशेष ड्यूटी कार्ड पहनेंगे जिसमें हर तरह की जानकारी होगी। यह फैसला संसद की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है क्योंकि हाल ही में कुछ लोग संसद में घुस गए थे और लोकसभा कक्ष में बवाल काटा था।

नई दिल्ली। संसद भवन के बाहर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को नई दिल्ली जिला पुलिस ने विशेष ड्यूटी कार्ड जारी किया है। सात माह पहले संसद भवन के अंदर व बाहर हुई सुरक्षा चूक के बाद पुलिस अधिकारी ने ऐसा निर्णय लिया।

संसद भवन के आसपास चाक चौबंद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने रणनीतिक स्थानों से घुसपैठ और विरोध प्रदर्शन सहित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अपने कर्मियों की भूमिका को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।

ड्यूटी कार्ड में हर तरह की जानकारी

इस ड्यूटी कार्ड में हर वो जानकारी उपलब्ध है कि उनकी ड्यूटी किस प्वाइंट पर है और उन्हें क्या करना है व क्या नहीं। 2001 के आतंकी हमले की बरसी के दिन पिछले साल 13 दिसंबर को सुरक्षा में लापरवाही की घटना हुई थी।

संसद में सुरक्षा चूक के बाद लिया फैसला

इनमें दो व्यक्ति सागर शर्मा और मनोरंजन डी शून्यकाल के दौरान सार्वजनिक गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और कलर स्मोक क्रेकर से पीले रंग का धुआं छोड़ नारेबाजी की थी। दो अन्य आरोपित अमोल शिंदे और आजाद ने संसद भवन के बाहर पीले रंग का धुआं छोड़ नारेबाजी की थी। ऐसी घटना दोबारा न हो इसके इसके लिए कई तरह के सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं।

मानसून सत्र में विशेष ड्यूटी कार्ड पहनेंगे

मानसून सत्र में संसद भवन के आसपास ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मी अपने गले में यह विशेष ड्यूटी कार्ड पहनेंगे। यह कार्ड विभिन्न स्थानों पर तैनात टीमों के कर्तव्यों को परिभाषित करते हैं। दिल्ली पुलिस अब संसद परिसर की आंतरिक सुरक्षा का हिस्सा नहीं है, लेकिन बाहर से सुरक्षित और परेशानी मुक्त सत्र सुनिश्चित करना उसकी जिम्मेदारी है, क्योंकि इमारत नई दिल्ली जिले में स्थित है।

परिसर की आंतरिक सुरक्षा जिसमें पुराने और नए संसद भवन और उनसे जुड़ी संरचनाएं हैं जिसका प्रबंधन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा किया जाता है।

पिछले साल 13 दिसंबर को सुरक्षा उल्लंघन की घटना के बाद केंद्र द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से कार्यभार संभालने का निर्देश दिए जाने के बाद सीआईएसएफ को शामिल किया गया। इससे पहले सीआरपीएफ, दिल्ली पुलिस (लगभग 150 कर्मी) और संसद सुरक्षा कर्मचारी (पीएसएस) संयुक्त रूप से संसद की सुरक्षा करते थे।

अगले माह ग्रेटर नोएडा आ सकते हैं प्रधानमंत्री

इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 11 से 13 सितंबर के बीच होगा सेमीकॉन इंडिया 2024 का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह सितंबर के बीच ग्रेनो के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आ सकते हैं। यहां 11 से 13 सितंबर के बीच सेमीकॉन इंडिया 2024 एक्सपो का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर तैयारी भी शुरू हो चुकी है। मंगलवार को एक्सपो मार्ट में केंद्र सरकार के उच्च अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

एक्सपो में विश्व की बड़ी कंपनियां भाग लेंगी। इसके आयोजन को भारत के घरेलू सेमी कंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने और वैश्विक उद्योग से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उसी समय एक्सपो मार्ट में इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया 2024 एक्सपो का भी आयोजन होगा। सेमीकॉन इंडिया के उद्घाटन समारोह में 11 सितंबर को प्रधानमंत्री के आने की संभावना है। संभावित कार्यक्रम को लेकर अफसरों ने तैयारी भी शुरू कर दी है। पीएम के आगमन को लेकर मंगलवार को इंडिया एक्सपो मार्ट में एक बैठक हुई जिमें केंद्र सरकार के एक सचिव के अलावा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, एडिशनल पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा के अलावा एडीएम प्रशासन व वित्त एवं राजस्व और एक्सपो मार्ट के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि अभी कार्यक्रम संभावित है। पीएम का कार्यक्रम तय होने के बाद तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

हिंडन एयरबेस पर बढ़ी हलचल: शेख हसीना को छोड़ वापस लौटा सेना का प्लेन, चारों ओर सुरक्षा चाक-चौबंद

परिवहन विशेष न्यूज

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना शेख को भारत लाने वाला बांग्लादेश वायु सेना का विमान अपने वतन सुबह करीब नौ बजे लौट गया है। मिली जानकारी के अनुसार, हसीना शेख और उनकी बहन रिहाना समेत अन्य लोग अभी हिंडन वायु सेना स्टेशन पर मौजूद हैं।

गाजियाबाद। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना शेख अभी तक हिंडन एयर फोर्स स्टेशन में मौजूद हैं। वायुसेना स्टेशन के बाहर अचानक से सुरक्षा का कड़ा पहरा शुरू कर दिया गया है। वायुसेना के अधिकारियों के अलावा सिविल पुलिस को भी स्टेशन के गेट पर तैनात किया गया है। इसी बीच हिंडन स्टेशन में एंबेसी की दो गाड़ियां अंदर जाती हुई देखी गई हैं। हालांकि, इन गाड़ियों में कौन उच्च अधिकारी बैठे थे इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

बांग्लादेश का विमान वापस लौटा

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना शेख को भारत लाने वाला बांग्लादेश वायु सेना का विमान अपने वतन सुबह करीब नौ बजे लौट गया है। मिली जानकारी के अनुसार, हसीना शेख और उनकी बहन रिहाना समेत अन्य लोग अभी हिंडन वायु सेना स्टेशन पर मौजूद हैं।

बांग्लादेश के हालात पर हुई सर्वदलीय बैठक

बांग्लादेश के हालात पर सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक खत्म हो गई है। वहीं खबर है कि शेख हसीना को लेकर भारत आया बांग्लादेश वायुसेना का विमान आज सुबह वापस लौट गया है। बांग्लादेश में अराजकता चरम पर पहुंच गई है और कानून व्यवस्था पूरी तरह से तबाह है। इसके चलते बांग्लादेश की जेलों में बंद कई कैदी फरार हो गए हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और कई मंदिरों में तोड़फोड़ की खबरें हैं।

अजीत डोभाल ने किया हसीना का स्वागत

जैसे ही हसीना का विमान शाम करीब 5:45 बजे हिंडन एयर बेस पर उतरा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने उनका स्वागत किया, जिन्होंने उनके साथ एक घंटे की लंबी बैठक की और बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति और उनके भविष्य के कदम पर भी चर्चा की।

इसके बाद एनएसए शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कैबिनेट सुरक्षा समिति की बैठक की जानकारी देने के लिए एयरबेस से रवाना हो गए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को पूरे दिन घटनाक्रम की जानकारी दी जा रही थी।

सुरक्षा की वजह से ही आई हिंडन

हिंडन देश के बड़े एयरबेस में शामिल है। यहां लड़ाकू विमान तैनात हैं। माना जा रहा है कि यहां की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की वजह से ही शेख हसीना को यहां लाया गया। दूसरी वजह दिल्ली में एयर ट्रैफिक का व्यस्त होना भी है। तीसरी वजह हिंडन का दिल्ली के नजदीक होना भी है। अगर शेख हसीना को दिल्ली जाना हो तो ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। यहां कई राष्ट्रध्यक्ष आ चुके हैं। वह भी प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद शेख हसीना पहली बार आई हैं।

जिला MMG अस्पताल के बाहर से बच्चे का अपहरण, ऑटो में बैठी महिला को बेटा देकर पर्ची बनवाने गई थी मां

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में दिनदहाड़े जिला एमएमजी अस्पताल के बाहर से चार माह के बच्चे का अपहरण होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मां बेटे को लेकर अस्पताल आई थी। इस दौरान उसने अपना बच्चा ऑटो में बैठी महिला को दे दिया और पर्ची बनवाने चली गई। इसके बाद जब वापस लौटी तो महिला और ऑटो वहां से गायब हो चुका था।

गाजियाबाद। सोमवार दोपहर जिला एमएमजी अस्पताल के बाहर से चार माह के बच्चे का अपहरण कर लिया गया। महरौली से आई महिला ने बच्चा ऑटो में बैठी महिला को देकर अस्पताल में पर्ची बनवाने गई थी। ऑटो सवार महिला बच्चे को लेकर ऑटो में बैठ फरार हुई।

कोतवाली में पीड़ित स्वजन देर तक बच्चा मिलने की आस में पुलिस के पास रहे। पुलिस का कहना है अस्पताल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। महरौली निवासी कामगार विक्की कुमार की पत्नी सृष्टि सोमवार को अपने चार महीने के दुधमुंहे बच्चे निहाल के साथ जिला अस्पताल आई थीं।

सोमवार दोपहर की है घटना

सृष्टि के साथ पड़ोस में रहने वाली किशोरी कविता भी थी। बच्चे की दादी कविता का कहना है कि सृष्टि अस्पताल में अपनी समस्या को लेकर चिकित्सक को दिखाने आई थीं। दोनों दोपहर करीब डेढ़ बजे जिला एमएमजी अस्पताल के बाहर ऑटो से उतरकर अस्पताल में पर्ची बनवाने गई थीं।

महिला ने रोते हुए अस्पताल कर्मियों को बताई घटना

किशोरी कविता के कहने पर बच्चे को ऑटो में बैठी एक महिला को दे दिया। सृष्टि ने जैसे ही ऑटो की तरफ पलटकर देखा तो उन्हें ऑटो नहीं दिखाई दिया। बदहवास सृष्टि ने आसपास ऑटो को तलाश किया, लेकिन वहां भी नहीं दिखा। इसके बाद महिला ने जिला अस्पताल में रोते हुए कर्मचारियों को अपनी बात बताई।

मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर जांच करने के साथ ही अस्पताल के बाहर की दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। देर रात तक पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी रही।

गाजियाबाद के लोगों के लिए गुड न यूज, हिंडन एयरपोर्ट से मुरादाबाद के लिए जल्द शुरू होगी फ्लाइट

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के लोगों को जल्द फ्लाइट से मुरादाबाद जाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लोगों को हिण्डोन एयरपोर्ट से ही मुरादाबाद के लिए फ्लाइट मिल सकेगी। इससे यात्रा में लगने वाला समय कम होगा। फ्लाइट सेवा शुरू करने के लिए फ्लाई बिग एयरलाइंस कंपनी ने कवायद तेज कर दी है। उड़ान सेवा शुरू करने की तारीख पर अभी विचार किया जा रहा है।

गाजियाबाद। हिंडन एयरपोर्ट (Hindon Airport) से मुरादाबाद के लिए फ्लाइट शुरू करने की कवायद तेज कर दी गई है। फ्लाई बिग एयरलाइंस कंपनी ने मुरादाबाद के लिए उड़ान सेवा शुरू करेगी। अब उड़ान की तिथि तय करने पर मंथन चल रहा है। एक माह के भीतर उड़ान शुरू हो सकती है।

वर्तमान में आदमपुर, किशनगढ़, नांदेड़, लुधियाना और बठिंडा के लिए नियमित उड़ान हैं। वहीं कुछ दिन पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस कंपनी ने हैदराबाद, गोवा, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता के लिए उड़ान शुरू करने के लिए सर्वे किया था। सर्वे करने के बाद उड़ान शुरू नहीं की।

अयोध्या के लिए हो चुका है सर्वे

ऐसे में इन शहरो के लिए उड़ान सेवा शुरू करने के लिए एयरपोर्ट निदेशक के सामने चुनौती है। मुरादाबाद के लिए उड़ान सेवा शुरू करने की तैयारी शुरू हो चुकी है।

मुरादाबाद शुरू होने के बाद

एयरलाइंस कंपनी की ओर से लखनऊ, चित्रकूट, श्रावस्ती, अलीगढ़ और आजमगढ़, पिथौरागढ़ शामिल उड़ान सेवा शुरू की जानी थी। अयोध्या के लिए फ्लाइट शुरू कराने के लिए सर्वे हो चुका है।

बंद हो चुकी है इन शहरों के लिए उड़ान

हिंडन एयरपोर्ट से स्टार एयर एयरलाइंस कंपनी हुबली और कलबुर्गी के लिए उड़ान सेवा उपलब्ध करा रही थी। हिंडन से दोनों शहरों के लिए 25 जनवरी 2023 को अंतिम उड़ान भरी थी। वर्तमान में दोनों शहरों के लिए उड़ान बंद है। देहरादून के लिए भी उड़ान बंद हैं।

बांग्लादेश में चीन और आईएसआई ने मिलकर जो साजिश रची थी, वह सफल हो गयी है

नीरज कुमार दुबे

दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहतन करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया और कई मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से अपने घर में नजरबंद खालिदा जिया की रिहाई का आदेश भी आ गया। यदि आप बांग्लादेश में हाल में घटी सारी घटनाओं की कड़ियों को जोड़ेंगे तो पाएंगे कि यह सब कुछ तय पटकथा के हिसाब से हुआ है। इसलिए शेख हसीना सरकार का जाना और खालिदा जिया का कैद से बाहर आना भारत के लिए चिंताजनक खबर है। पहले ही डुरंड लाइन के नाम से मशहूर भारत और अफगानिस्तान सीमा तथा पाकिस्तान व चीन से लगती सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और अब बांग्लादेश से लगती सीमाओं पर भी सुरक्षा हालात चुनौतीपूर्ण हो गये हैं। बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटा है यदि उसे आप भारत के परिप्रेक्ष्य में देखेंगे तो पाएंगे कि हमें घेरने के लिए चीन और पाकिस्तान जो प्रयास लंबे अर्से से कर रहे थे उसमें वह कुछ हद तक कामयाब हो गये हैं।

दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं। दुश्मनों को लगता है कि भारत ने आतंक और उग्रवाद पर काबू पाने में जो सफलता पाई है कैसे उसे विफल कराा जाये। इसके लिए वह तमाम तरह के हथकंडे अपनाते रहते हैं और सीधी लड़ाई से बचते हुए दायें या बायें से वार करना चाहते हैं।

दुश्मन को जम्मू-कश्मीर की शांति और पूर्वोत्तर क्षेत्र की प्रगति नहीं भा रही है। दुश्मनों ने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंक और उग्रवाद को हवा देने के लिए तथा भारत को इस दंश से जूझने के लिए जो कड़ी मेहतन की थी उस पर पिछले दस सालों में पानी फेर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी कमांडरों और अलगाववादियों का सफाया हो चुका है। पूर्वोत्तर क्षेत्र भी अपेक्षाकृत शांत हो गया है। वहां के कई उग्रवादी संगठन सरकार से समझौता कर मुख्यधारा के जीवन में लौट आये हैं। उग्रवादी और आतंकी संगठनों को मिलने वाली टैरर फंडिंग पर भी रोक लग गयी है। जाहिर है यह सब पाकिस्तान और चीन को नहीं भा रहा था। खासतौर पर शेख हसीना के कार्यकाल में जिस तरह बांग्लादेश सरकार भारत को वरीयता देती थी उससे भी चीन नाखुश रहता था। ऐसे में चीन इस ताक में था कि कैसे इस स्थिति को बदला जाये। चीन को परेशान देख पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मदद के लिए प्रस्ताव रखा और फिर योजनाबद्ध तरीकों से चीजों को आगे बढ़ाया गया।

बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर (आईसीएस) को पाकिस्तान में काम कर रही कुछ चीनी कंपनियों की ओर से फंडिंग भी दी गयी थी। इन पैसों का इस्तेमाल बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जनभावनाएं भड़काने और छात्रों का आंदोलन खड़ा करने में किया गया था। बताया जा रहा है कि चीन और आईएसआई की मिलीभगत से यह तय किया गया था कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को गिराने के लिए कब क्या किया जाना है। इस्लामी छात्र शिबिर आईएसआई के बेहद नजदीकी माने जाने वाले देवबंदी आतंकी समूह हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) के साथ काम रहा था।

बताया यह भी जा रहा है कि भारतीय खुफिया एजेंसियां लंबे समय से इस्लामी छात्र शिबिर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थीं क्योंकि उन्हें खबर लगी थी कि भारत विरोधी एजेंडा आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है। बताया यह भी जा रहा है कि इस्लामी छात्र शिबिर के कुछ सदस्यों को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। इस संबंध में कुछ वीडियो भी हाल के दिनों में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगे थे। बताया जा रहा है कि इन सबका एकमात्र उद्देश्य यही है कि बांग्लादेश में भी अफगानिस्तान के तालिबान जैसी सरकार बनाई जा सके। इस संबंध में आईएसआई ने पूरी मदद और समर्थन का भरोसा भी इस्लामी छात्र शिबिर को दिलाया था। यह सारे समूह चाहते थे कि दिन पर दिन जिस तरह भारत और बांग्लादेश के संबंध प्रगाढ़ होते जा रहे हैं उसको नुकसान पहुँचाया जा सके। चीन भी देख रहा था कि जिस तरह बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना विभिन्न मुद्दों पर चीन को वरीयता देने की बजाय भारत के साथ खड़ी हो जाती हैं उस स्थिति से तभी छुटकारा मिल सकता है जब बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थित सरकार बन जाये।

जहां तक बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी की बात है तो उसने कभी भी भारत विरोधी रवैया अख्तियार करने का मौका नहीं गंवाया। बताया जा रहा है कि बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने इस्लामी छात्र शिबिर के साथ मिलकर सरकार विरोधी आंदोलन को हवा दी और आखिरकार अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहे। इसके अलावा, बांग्लादेश सेना जिस तरह कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकती दिख रही है और देश को अराजकतावादियों के हाथों में जाते देख रही है उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। बहरहाल, भारत को बांग्लादेश में हिंदुओं और हिंदू मंदिरों पर बढ़ते हमले रोकने की दिशा में कदम उठाने के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष निगाह रखनी होगी। यहां किसी भी राज्य में सरकार विरोधी आंदोलन को अगर हवा दी जाती है तो उसे तत्काल थामना होगा। दरअसल, पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत ने शांति को स्थापित करने के लिए जो मेहनत की है उसको बाधित करने के लिए उग्रवादी संगठन और कट्टरपंथी एड़ी चोटी का जोर लगाएंगे इसलिए बहुत सतर्क रहना होगा। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ, नशीली दवाओं और मानव तस्करी पर लगाम लगाने और नकली मुद्रा से संबंधित मुद्दों के समाधान की दिशा में जो सफलता प्राप्त की है, उसे भी विफल करने के प्रयास किये जायेंगे। इसलिए सावधान रहने की जरूरत है।

- :सौजन्य :-
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

मारुति ईवीएक्स उत्पादन के लिए तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

आईसी इंजन कारों में अपना दबदबा बनाने के बाद मारुति सुजुकी अब इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में पूरी ताकत से उतरने की तैयारी कर रही है। यही वजह है कि वह अपनी पहली कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवीएक्स को बाजार में उतारने से पहले इसकी अच्छी तरह से टेस्टिंग कर रही है। अब मारुति सुजुकी ईवीएक्स के टेस्ट म्यूल को प्रोडक्शन-रेडी पार्ट्स के साथ देखा गया है। ताजा तस्वीरों में इसके बारे में नई जानकारी सामने आई है।

आगामी ईवीएक्स में स्पोर्टी X-आकार का फ्रंट फ़ेशिया और प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स के साथ डुअल LED DRLs होंगे। रियर लाइटिंग सेटअप भी डिज़ाइन में समान दिखता है और कर्वी बॉडी पैनलिंग इसे आकर्षक बनाती है। एयरोडायनामिक डिज़ाइन इसकी रेंज बढ़ाने में मदद करेगा और पॉलीगोनल व्हील आर्च और इंटीग्रेटेड टर्न सिग्नल के साथ ORVMs, फ्रंट डोर में पारंपरिक हैंडल हैं जबकि रियर हैंडल C-पिलर पर लगे हैं।

मारुति की इस इलेक्ट्रिक कार में स्पोर्टी लुक के लिए ब्लैक-आउट पिलर और आकर्षक डिजाइन वाले अलॉय व्हील दिए गए हैं। इस लेटेस्ट कार में पीछे की तरफ ज्यादा बूट स्पेस मिलेगा, जिसमें स्पॉइलर, वॉशर, वाइपर, बंपर और टेलगेट हैं। कार का केबिन सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स से लैस हो सकता है, जिसमें बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और स्प्रेड-आउट सेंटर कंसोल, लेदरेट प्रीमियम सीटें शामिल हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रिक एसयूवी में वायरलेस चार्जर, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले की सुविधा भी मिलेगी।

आगामी मारुति ईवीएक्स में 60kWh बैटरी पैक मिल सकता है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 500 किमी की रेंज दे सकता है। यह सिंगल-मोटर और फ्रंट-व्हील-ड्राइव (FWD) और डुअल-मोटर के साथ ऑल-व्हील-ड्राइव (AWD) दोनों फॉर्मेट में उपलब्ध होगा। सुरक्षा के लिए इसमें 360-डिग्री सराउंड व्यू मॉनिटर के साथ फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, रडार और कैमरा-आधारित ADAS जैसे फीचर्स मिलेंगे।

जुलाई में जमकर बिके इलेक्ट्रिक व्हीकल्स: दो पहिया में 96 और तीन पहिया में 18 फीसदी की वृद्धि

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेल्स लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों के चलते लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की ओर रुख कर रहे हैं। इसी के चलते इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर क्रमश 95.94 प्रतिशत और 18.18 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई है। वहीं पेट्रोल से चलने वाली बाइक्स की बात करें तो उनकी बिक्री में 13.77% की वृद्धि आई है।

नई दिल्ली। भारतीय मार्केट दुनिया के सबसे बड़े टू-व्हीलर मार्केट में से एक है। देश में पेट्रोल वाली बाइक के साथ ही इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की डिमांड भी बढ़ी है। फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) ने जुलाई 2024 में बिकी इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री की रिपोर्ट जारी की है। जिसके मुताबिक, इन दोनों की क्रमशः 95.94 प्रतिशत और 18.18 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखने के लिए मिली है।

निजी व्हीकल की बिक्री में हुई गिरावट

फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर की बिक्री में बाजार हिस्सेदारी क्रमशः 7.4 प्रतिशत और 57.6 प्रतिशत रही है। लेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता और मांग के तौर पर देखा जा सकता है। हालांकि, निजी वाहन सेगमेंट की बिक्री में सालाना आधार पर 2.92 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई और इनकी बाजार हिस्सेदारी 2.4 प्रतिशत बनी हुई है।

वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में 124.2 प्रतिशत हुई बढ़ोतर

फाडा के प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने जुलाई 2024 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पर कहा कि वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में 124.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 1.02 प्रतिशत की वर्तमान बाजार हिस्सेदारी के साथ उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। वहीं, डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, दोपहिया वाहन सेगमेंट में समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सकारात्मक मानसून प्रभाव और ग्रामीण आय को बढ़ाने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के कारण उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुछ क्षेत्रों में बाजार में मंदी, अत्यधिक बारिश और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद नए उत्पादों की शुरुआत और बेहतर स्टाक उपलब्धता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पेट्रोल बाइक्स की बढ़ी बिक्री

हाल ही में पेट्रोल से चलने वाली बाइक्स की बिक्री का आंकड़ा आया है। जिसके मुतबाकि, घरेलू बाजार में सालाना बिक्री में बढ़ोतरी और मासिक बिक्री में गिरावट आई है। दोपहिया बिक्री में सालाना आधार पर 13.77% की वृद्धि और मासिक आधार पर इसमें 11.17% की गिरावट देखने के लिए मिली है।

टाटा मोटर्स 7 अगस्त को लॉन्च करेगी कर्व ईवी चार्ज पॉइंट एग्रीगेटर के साथ

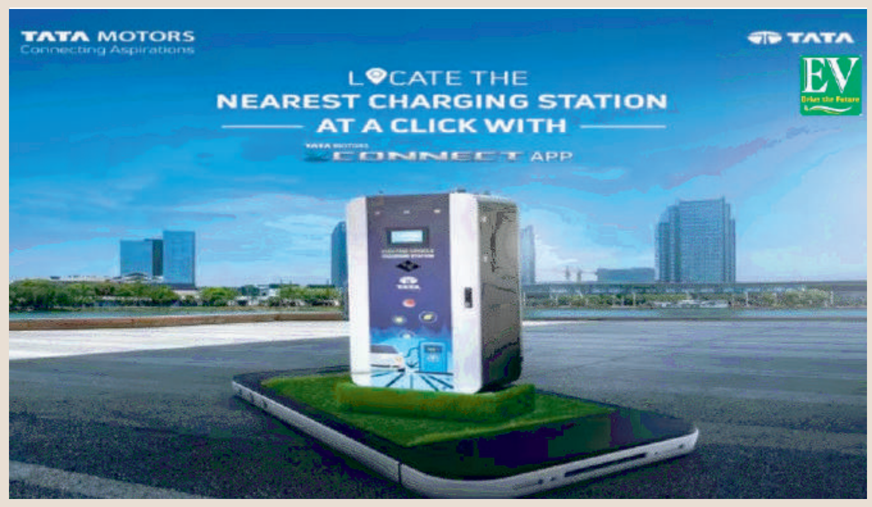

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा मोटर्स बुधवार, 7 अगस्त, 2024 को भारत में बहुप्रतीक्षित कर्व ईवी लॉन्च करने जा रही है। यह नया मॉडल देश की पहली बजट-फ्रेंडली कूप एसयूवी में से एक होगी। इलेक्ट्रिक वाहन चालकों की सबसे बड़ी चिंता इसकी रेंज को लेकर होती है, जिसके कारण उन्हें इसे लॉन्ग ड्राइव पर ले जाने से पहले काफी सोचना पड़ता है। ऐसे में इस समस्या से निपटने के लिए टाटा मोटर्स एक नया ₹चार्ज पॉइंट एग्रीगेटर₹ ऐप ला रही है, जो बुधवार, 7 अगस्त को नई टाटा कर्व ईवी के साथ लॉन्च होगी।

इस ऐप के जरिए यूजर चार्जर और उनकी रियल टाइम स्थिति देख पाएंगे। अगर चार्जर उपलब्ध है, तो यह आपको उसके स्थान और दिशा के बारे में जानकारी देगा। इसके अलावा आप चार्जर के प्रकार को भी फ़िल्टर कर पाएंगे।

टाटा मोटर्स के देशव्यापी चार्ज पॉइंट एग्रीगेटर फीचर को टाटा मोटर्स कनेक्टेड कार ऐप में एकीकृत किया जाएगा। यह सुविधा भारत में 15 से ज़्यादा चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों के साथ साझेदारी करके चार्ज पॉइंट का सबसे व्यापक एकीकरण प्रदान करती है। यह रीयल-टाइम चार्जर की स्थिति, चार्जर स्थानों पर सहज नेविगेशन प्रदान करता है और वाहन की रेंज और चार्जर उपयोग डेटा के आधार पर यात्रा की योजना बनाने में सहायता के लिए टाटा ईवी डेटा को शामिल करता है। इसके अतिरिक्त ऐप में एक रेटिंग सिस्टम भी शामिल है, जहाँ टाटा ईवी के मालिक चार्ज पॉइंट को रेट कर सकते हैं, जिससे इष्टतम चार्जिंग स्टेशन खोजने की विश्वसनीयता और सुविधा बढ़ जाती है।

यह ऐप देश में लगभग 13,000 चार्जिंग प्वाइंट तक पहुँच प्रदान करेगा। इसके अलावा आप लंबी ड्राइव को आसान बनाने के लिए वाहन की रेंज के अनुसार यात्रा की योजना बना सकेंगे। कुल मिलाकर टाटा के इस नए ऐप के ज़रिए आपका समग्र ईवी स्वामित्व बेहतर होगा।

दुनिया में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट कब और कहां लगाई गई थी? भारत के किस शहर में हुआ था इसका इस्तेमाल

परिवहन विशेष न्यूज

वर्तमान में ट्रैफिक लाइट तीन रंगों में सड़क के चौराहों पर काम करती है। यह लाल पीली और हरी बत्तियां हमारे शहरों को दशकों से ट्रैफिक सिस्टम को संभाल रही हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट की शुरुआत किस देश और शहर से हुई थी। वहीं इसका इस्तेमाल भारत में कब से किया जा रहा है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

नई दिल्ली। सड़क के चौराहों पर जिस ट्रैफिक सिग्नल की लाल बत्ती को देखकर आप अपनी गाड़ी को रोक देते हैं। वहीं, जिसे क्रॉस करने पर ट्रैफिक चालान कट जाता है। क्या कभी सोचा है कि इन लाल, पीली और हरी बत्तियों का इस्तेमाल ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए दुनिया में सबसे पहले कहां पर इस्तेमाल किया गया था। हम यहां पर बता रहे हैं दुनिया में पहली बार ट्रैफिक लाइट्स का इस्तेमाल कहां किया गया और भारत में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए इसका उपयोग कब किया गया।

अमेरिका में हुआ था सबसे पहले इस्तेमाल

अमेरिका के क्लीवलैंड में 5 अगस्त 1914 को दुनिया का पहला इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट सिग्नल लगाया गया था। इस सिग्नल में लाल और हरे रंग के साथ एक बजर दिया गया था, जो लाइट बदलने से पहले संकेत देता था। उस समय ट्रैफिक लाइट में केवल 2 ही रंग होते थे।

1920 में जोड़ी गई पीली लाइट

इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट में लाल और हरे के बाद पीले रंग को साल 1920 में जोड़ा गया। लाल, पीली और हरी ट्रैफिक सिग्नल न्यूयॉर्क और फिलाडेल्फिया सहित अमेरिका के दूसरे शहरों में भी लगाए गए थे। 1922 से ट्रैफिक टावरों को ऑटोमेटिक टाइमर के जरिए कंट्रोल किया जाने लगा। इस टाइमर को लगाने वाली कंपनी का नाम क्राउज हिड्स था।

भारत में पहली बार चेन्नई में लगाई गई

कई दशकों से भारत के ट्रैफिक को ये लाल, पीली और हरी बत्तियां हमारे शहरों को यातायात को संभाल रही हैं। भारत में सबसे पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रैफिक सिग्नल का इस्तेमाल 1953 में चेन्नई शहर में किया गया था। चेन्नई में इसका इस्तेमाल करने के बाद करीब 10 साल के बाद बेंगलुरु शहर में ट्रैफिक लाइट सिग्नल का इस्तेमाल किया गया।

रॉयल एनफील्ड इंडियन मार्केट में लॉन्च करेगी 3 नई बाइक्स, हिमालयं 650 से लेकर अपडेटेड क्लासिक 350 तक

परिवहन विशेष न्यूज

रॉयल एनफील्ड ने हाल ही में Guerrilla 450 को लॉन्च किया है। इंडियन मार्केट में इसे शानदार प्रतिक्रिया भी मिली है। इसी कड़ी में कंपनी की ओर से कई नए मॉडल लॉन्च होने वाले हैं। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

RE Himalayan 650

सबसे हालिया स्पाई शॉट सिर्फ 2 दिन पहले का है जब इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया था। इस टेस्ट म्यूल की तस्वीर में कई सारी डिटेल्स सामने आई हैं। दिख रहा है कि इसे वही 648cc एयर/ऑयल-कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन होगा, जिसमें एडवेंचर टूरर की विशेषताओं के अनुरूप ट्यून में थोड़े अंतर के साथ समान पावर और टॉर्क आउटपुट होने की उम्मीद है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन की बात करें, तो इसमें आगे की तरफ एक यूएसडी फोर्क है जो सस्पेंशन सेटिंग को एडजस्ट करने के लिए नॉब्स जैसा दिखता है। वहीं, हिमालयन 450 की तरह एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर है, जो ब्लूटूथ और गूगल मैप्स कास्टिंग के साथ आना चाहिए। इसे लगभग 4.2 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के करीब बेचा जाएगा।

ई-रिक्शा के अवैध क्रियान्वयन पर रोक न लगने पर हाईकोर्ट नाराज, ट्रैफिक एसपी तलब

परिवहन विशेष न्यूज

झारखंड हाईकोर्ट ने राजधानी रांची में बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था और फुटपाथ दुकानदारों के पुनर्वास को लेकर दायर विभिन्न जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। इस मौके पर जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार का पक्ष सुना। साथ ही राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार नहीं होने और ई-रिक्शा के अवैध परिचालन पर कड़ी नाराजगी जताई गई। खंडपीठ ने रांची के ट्रैफिक एसपी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि राजधानी की सभी सड़कों पर ई-रिक्शा दिख रहे हैं। दर्जनों ई-रिक्शा का अवैध परिचालन हो रहा है। इस कारण प्रत्येक दिन जाम की समस्या देखने को मिल रही है। रांची शहर में जाम की समस्या को देखते हुए अब ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई जाए।

खंडपीठ ने कहा कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी कार्रवाई के नाम पर ई-रिक्शा जब्त कर लेते हैं। फिर उसे रांची नगर निगम के भरोसे छोड़ देते हैं। रांची नगर निगम ई-रिक्शा पर जुर्माना लगाता है और उसे फिर से सड़कों पर दौड़ने देता है। खंडपीठ ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ई-रिक्शा चालकों की वर्दी का क्या हुआ? चालक कब वर्दी में दिखेंगे? खंडपीठ ने फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार को रांची में ई-रिक्शा के अवैध परिचालन को रोकने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार 15 अगस्त से पहले राजधानी में अवैध ई-रिक्शा के परिचालन को रोकना सुनिश्चित करे।

खंडपीठ ने रांची नगर निगम को फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका के लिए मेन रोड, हिनू चौक और बिरसा चौक में वेंडर मार्केट के लिए जगह चिह्नित कर अदालत को सूचित करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए छह अगस्त की तारीख तय की। इससे पहले रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने पक्ष रखा। उन्होंने समय देने का अनुरोध किया। खंडपीठ को बताया गया कि रांची में चार हजार से अधिक ई-रिक्शा चल रहे हैं। ई-रिक्शा उन रूटों पर भी चल रहे हैं, जो उनके लिए निर्धारित नहीं हैं। याचिकाकर्ता राहुल कुमार दास ने जनहित याचिका दायर की है। दूसरी तरफ नेशनल हॉकर फेडरेशन ने फुटपाथ दुकानदारों के पुनर्वास की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नैतिकता और अनुपालन में उभरते करियर

विजय गर्ग

आवश्यक कौशलः आपको एआई प्रौद्योगिकियों और सुरक्षा इंजीनियरिंग का ज्ञान, मजबूत समस्या-समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल, सुरक्षा प्रोटोकॉल को डिजाइन और कार्यान्वित करने की क्षमता, जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन तकनीकों का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षाः एआई सुरक्षा विकास इंजीनियर के पास एआई और सुरक्षा इंजीनियरिंग में अनुभव के साथ कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों की पृष्ठभूमि होनी चाहिए।

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का महत्व तेजी से उद्योगों को बदल रहा है और इसकी नैतिकता और अनुपालन के महत्व को सामने लाते हुए भविष्य को नया आकार दे रहा है। एआई नैतिकता और अनुपालन में करियर यह सुनिश्चित करता है कि एआई प्रौद्योगिकियों को जिम्मेदारी से विकसित और तैनात किया जाता है, जो सामाजिक मानदंडों, नैतिक मानकों और कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करते हैं। यह लेख एआई नैतिकता और अनुपालन में कुछ आशाजनक संभावनाओं और कैरियर पथों, आवश्यक कौशल, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों और इसकी मांग के पीछे के कारणों पर प्रकाश डालता है। एआई नैतिकता और अनुपालन में पेशे 1. एआई एथिक्स सलाहकार वे एआई निहितार्थ और उनके एआई सिस्टम में नैतिकता पर कंपनियों को परामर्श देने में विशेषज्ञ हैं। वे व्यवसायों को एआई के नैतिक उपयोग के जटिल परिदृश्य के माध्यम से नेविगेट करने में सहायता करते हैं, गलती से पूर्वाग्रह को कायम रखते हैं, गोपनीयता का उल्लंघन करते हैं या कोई नुकसान पहुंचाते हैं। सलाहकार नैतिक नियम बना सकते हैं, नैतिकता से जुड़े ऑडिट कर सकते हैं और एआई प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए सिफारिशें प्रदान कर सकते हैं। आवश्यक कौशलः एआई एथिक्स सलाहकार बनने के लिए आपको एआई प्रौद्योगिकियों और उनके प्रभावों का मजबूत ज्ञान होना चाहिए। दूसरे, आपके पास दर्शनशास्त्र और नैतिक सिद्धांत में दक्षता होनी चाहिए, आपको नियामक ढांचे और अनुपालन मानदंडों से भी परिचित होना होगा और अंत में आपके पास उत्कृष्ट संचार क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल होना चाहिए। शिक्षाः एआई एथिक्स कंसल्टेंट बनने के लिए, आपको कंप्यूटर साइंस, एथिक्स, कानून या संबंधित क्षेत्र में ज्ञान होना आवश्यक है। एथिक्स या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मास्टर्स, पीएचडी जैसी डिग्रियां उपयोगी हो सकती हैं। इंटर्नशिप, रिसर्च या पिछली कंपनियों से अनुभव प्राप्त करना फायदेमंद साबित हो सकता है। 2. एआई अनुपालन अधिकारी एआई अनुपालन अधिकारी यह सुनिश्चित करता है कि संगठन एआई से संबंधित सभी कानूनी और विनियमों का पालन करें। इसमें उद्योग नियमों, कंपनी नीतियों और डेटा से संबंधित सुरक्षा कानूनों के अनुप्रयोग की निगरानी शामिल हो सकती है। उनमें से कुछ अनुपालन ढांचे के विकास और आंतरिक ऑडिट करने में भाग ले सकते हैं। आवश्यक कौशलः आपको एआई के नियमों और डेटा सुरक्षा कानूनों के बारे में गहन जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा, आपको आईएसओ, सीसीपीए और जीडीपीआर जैसे उद्योग मानकों से परिचित होना चाहिए, उत्कृष्ट विश्लेषणात्मक और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए, और वास्तविक जीवन स्थितियों में जटिल नियमों को लागू करने और व्याख्या करने की क्षमता होनी चाहिए। शिक्षाः पद के लिए कानून, नियामक मामलों या अनुपालन की पृष्ठभूमि की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, किसी को एआई प्रौद्योगिकियों के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए। डेटा सुरक्षा या अनुपालन में व्यावसायिक योग्यताएँ रोजगार की तलाश में लाभ प्रदान कर सकती हैं। कानूनी या नियामक पदों पर पिछला अनुभव भी उपयोगी होगा, खासकर आईटी या एआई उद्योगों में। 3. एआई एथिक्स रिसर्चर एआई नैतिकता शोधकर्ता एआई सिस्टम के संबंध में ऐसी नैतिक समस्याओं के प्रभावों से संबंधित अध्ययन और प्रयोग करते हैं। वे लेख लिखते हैं, सर्वोत्तम प्रथाओं और नैतिक मानकों की उपलब्धि के लिए विद्वतापूर्ण शोध और अंतर्दृष्टि में योगदान करते हैं। आवश्यक कौशलः आपके पास एआई प्रौद्योगिकी, दर्शन और नैतिक सिद्धांत और मजबूत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं के बारे में ज्ञान होना चाहिए, जिसमें आपके पास अनुसंधान परियोजनाओं को डिजाइन करने, व्यवस्थित करने और संचालित करने की क्षमता होनी चाहिए और अंत में आपके पास अनुसंधान लिखने और प्रकाशित करने की क्षमता होनी चाहिए। जाँच - परिणाम। शिक्षाः एक एआई नैतिकता शोधकर्ता को आम तौर पर एक की आवश्यकता होगीउन्नत डिग्री, जैसे मास्टर या पीएच.डी. नैतिकता, दर्शन, एआई, या संबंधित अनुशासन में। व्यक्ति के पास प्रकाशनों या सहकर्मी-समीक्षित जर्नल पत्रों के साथ अकादमिक या अनुसंधान क्षेत्र में अनुभव होना चाहिए। थिंक टैंक या अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुभव बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं। 4. एआई एथिक्स रिसर्चर एआई के लिए नैतिकता के शोधकर्ता इन एआई प्रणालियों की उनके परिणामों की जांच और परीक्षण करके ऐसा करते हैं। वे लेख प्रकाशित करते हैं और अंतर्दृष्टि के साथ विद्वतापूर्ण शोध योगदान देते हैं जो सर्वोत्तम प्रथाओं और नैतिक मानदंडों के निर्माण का समर्थन करते हैं। आवश्यक कौशलः आपके पास एआई प्रौद्योगिकी, दर्शन और नैतिक सिद्धांत, ठोस विश्लेषणात्मक और अनुसंधान कौशल का ज्ञान होना चाहिए, योजना बनाने, व्यवस्थित करने, अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करने की क्षमता होनी चाहिए और अंत में आपको लिखने और प्रकाशित करने की क्षमता होनी चाहिए। एक अध्ययन के परिणाम. शिक्षाः एक एआई नैतिकता

शोधकर्ता को आमतौर पर एक उन्नत डिग्री की आवश्यकता होगी, जैसे मास्टर या पीएचडी। नैतिकता, दर्शनशास्त्र, एआई, या किसी अन्य संबंधित क्षेत्र में डिग्री। शिक्षा जगत या अनुसंधान में अनुभव की अक्सर आवश्यकता होती है, जिसका विवरण सहकर्मी-समीक्षा जर्नल पेपर्स द्वारा दिया गया है। थिंक टैंक या अनुसंधान संस्थानों के साथ अनुसंधान सहयोग भी मूल्यवान अनुभव लाता है। 5. एआई फेयरनेस इंजीनियर निष्पक्षता इंजीनियर यह सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदार हैं कि अनुशंसित एआई सिस्टम ऐसे तरीकों से विकसित और तैनात किए गए हैं जो पूर्वाग्रह को कम करते हैं और सभी के लिए निष्पक्ष हैं। जिम्मेदारियों में एल्गोरिदम विकसित करना शामिल है जो पूर्वाग्रह की पहचान करता है और उसे कम करता है, निष्पक्षता ऑडिट और निष्पक्ष परिणामों के लिए समाधान विकास करता है। आवश्यक कौशलः आपको एआई और मशीन लर्निंग प्रौद्योगिकियों में कुशल होना चाहिए, आपको पूर्वाग्रह में कमी और निष्पक्षता के लिए रणनीतियों को जानना चाहिए, डेटा विश्लेषण और प्रोग्रामिंग कौशल में कुशल होना चाहिए, और अंत में आपको बहु-विषयक टीमों में काम करने की क्षमता की आवश्यकता है। शिक्षाः इसके लिए पदधारी को मशीन लर्निंग और निष्पक्षता की बुनियादी समझ के साथ कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान या इंजीनियरिंग से परिचित होने की आवश्यकता होगी। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग या एआई में उन्नत डिग्री फायदेमंद हो सकती है। निष्पक्षता के लिए एआई सिस्टम विकसित करने या उसका मूल्यांकन करने का अनुभव मददगार हो सकता है। 6. एआई पारदर्शिता विशेषज्ञ एआई पारदर्शिता विशेषज्ञों पर एआई सिस्टम की जवाबदेही और समझ बढ़ाने और एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया को सभी प्रासंगिक हितधारकों के लिए पारदर्शी और समझदार बनाने का आरोप लगाया गया है। इसमें स्पष्ट दस्तावेज़ीकरण बनाना और व्याख्या के लिए दृष्टिकोण विकसित करना शामिल है। आवश्यक कौशलः आपको व्याख्यात्मक तकनीकों और एआई प्रौद्योगिकियों, उत्कृष्ट दस्तावेज़ीकरण और संचार कौशल, तकनीकी और गैर-तकनीकी हितधारकों के साथ सहयोग में अनुभव, जवाबदेही और पारदर्शिता ढांचे की समझ सहित अनुभव होना चाहिए। शिक्षाः मूल रूप से, एआई पारदर्शिता विशेषज्ञ की भूमिका निभाने के लिए व्याख्यात्मक दृष्टिकोण को डिजाइन करने या लागू करने में अनुभव और कंप्यूटर विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, या कुछ संबंधित क्षेत्र में पृष्ठभूमि की आवश्यकता होती है। डेटा विज्ञान या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रमाणपत्र या स्नातक डिग्री उपयोगी हो सकती है। तकनीकी लेखन या ऐसे ही पदों पर जहां तकनीकी संचार हुआ हो, वहां का पूर्व अनुभव भी उपयोगी है। 7. नैतिक एआई उत्पाद प्रबंधक एआई उत्पाद प्रबंधक यह सुनिश्चित करते हैं कि, उनके जीवन भर के दौरान, उनके एआई उत्पादों का विकास नैतिक दिशानिर्देशों और अनुपालन मानकों के अनुसार हो। वे इंजीनियरिंग के साथ साझेदारी करते हैं, डिज़ाइन और अनुपालन टीमें यह सुनिश्चित करने के लिए कि उत्पादों के विकास और तैनाती में नैतिक विचार संरेखित हैं। आवश्यक कौशलः इस पेशे में आपके पास उत्पाद प्रबंधन में अनुभव होना चाहिए, विशेष रूप से तकनीकी या एआई क्षेत्रों में, एआई प्रौद्योगिकियों और नैतिक विचारों का मजबूत ज्ञान, उत्कृष्ट परियोजना प्रबंधन और समन्वय कौशल, और व्यावसायिक उद्देश्यों के खिलाफ नैतिक चिंताओं को संतुलित करने की क्षमता। शिक्षाः एआई, नैतिकता या व्यवसाय प्रबंधन में उन्नत डिग्री या प्रमाणपत्र उपयोगी हो सकते हैं। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परियोजनाओं या उत्पादों के प्रबंधन में अनुभव प्राप्त करना और नैतिक मुद्दों का अच्छा ज्ञान प्राप्त करना। 8. एआई सेफ्टी इंजीनियर एआई सेफ्टी इंजीनियर एआई सिस्टम में सुरक्षा डिजाइन करते हैं और उनका विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित करते हैं। इसमें सुरक्षा प्रक्रियाओं का विकास, इसकी तैनाती से जुड़े जोखिमों का विश्लेषण, और अनजाने में उत्पन्न होने वाले हानिकारक परिणामों या प्रभावों को रोकने के लिए सिस्टम का डिज़ाइन शामिल होगा।

संपादक की कलम से

खोटे सबूत

हिमाचल में इस बार कालेज प्रवेश की अंतिम तारीख तक पहुंचते-पहुंचते, यह तो तसदीक हो गया कि शिक्षा के ये सबूत खोटे साबित हो रहे हैं। पहले भी कालेजों का एक जखीरा ऐसा है जो हर बार लुढक़ता है, लेकिन इस बार पिछले साल की शुमारी हासिल करना भी टेढ़ी खीर साबित हो रही है। ऐसे में क्या स्कूलों के बाद कालेज भी मर्ज होंगे या महाविद्यालयों का चरित्र बदला जाएगा। छात्र बीवॉक जैसे पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता में संदेह कर रहे हैं, उन्हें विज्ञान जैसे विषय मोहित नहीं कर रहे। धर्मशाला जैसे बड़े, ऐतिहासिक व प्रतिष्ठित कालेज में 367 सीटों का खाली रह जाना, कुछ विषयों की उपयोगिता पर गहरे प्रश्नन उठाता है। इस तरह हिमाचल में शिक्षा, चिकित्सा व परिवहन के सरकारी दस्तूर को जनता नकराते हुए किनारे लगा रही है। जोगिंद्रनगर में फैला पीलिया बता रहा है कि हमारी स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सक्षम हैं। मेडिकल कालेज टांडा को अब तक जोगिंद्रनगर के पीड़ितों को सुरक्षा कवच पहना देना चाहिए था तथा जलशक्ति विभाग को पानी का पूर्ण शुद्धिकरण कर देना चाहिए था, लेकिन हम हर घटना को या तो हल्के से या किसी हलके तक लेते हैं। इन दोनों विभागों के मंत्री अगर जोगिंद्रनगर पहुंच गए होते तो काम की तासीर और सरकारी दम खम में ऊर्जा आ जाती। हम बरसात में जहां खड़े होते हैं, वहां न विभाग और न ही मंत्री महोदय होते हैं। कुछ दिन पहले धर्मशाला के बस स्टैंड को मुर्दा हालत के बावजूद सियासी तखल्लुख मिलता है, लेकिन अगले ही दिन इसी बस अड्डे से निकली कालका के लिए एक बस मटौर में दम तोड़ देती है। जाहिर है लंबी बस ने घंटों जाम लगा कर सैकड़ों लोगों का समय, वाहनों का ईंधन और कामकाज की बर्बादी कर दी, लेकिन यह एक घटना मान ली गई, क्यों जब यह बस मटौर में अड़ी थी, तो उसी समय न जाने कितनी बसें अपने-अपने रूट को रोककर कहीं अन्यत्र खड़ी थीं। आश्चर्य तब होता है जब रात्रि बस सेवाओं की परिपाटी में निजी बसें अपनी बादशाहत में सरकारी बसों को पछाड़ देती हैं। हम विकसित होती विफलता की एक परिभाषा सरकारी क्षेत्र में देख रहे हैं। देख रहे हैं कि प्रदेश के टूरिस्ट डेस्टिनेशन में सरकारी होटल घाटे के निगम का सबूत बन रहे हैं, लेकिन कमोबेश हर सरकार को नए होटल बनाने हैं। हम देख रहे हैं घाटे की सरकारी बसें, लेकिन हर सरकार को कुछ नए बस डिपो बनाने हैं। हमने जरूरत से अधिक मेडिकल कालेज खोल दिए, लेकिन पीजीआई चंडीगढ़ के गलियारों में हिमाचली मरीजों का दर्द नहीं घटा पाए। हम भवन निर्माण की सरकारें देख रहे हैं। इमारतों के भीतर कहीं उपयुक्त डाक्टर नहीं, कहीं अध्यापक नहीं और कहीं छात्र नहीं। हमें शिक्षा, चिकित्सा व परिवहन की प्रणाली में सुधार एवं गुणवत्ता की दृष्टि से जो चाहिए, उस पर बड़े विचार नहीं-आंशिक सुधार चाहिए। आज की स्थिति में हिमाचल के सौ के करीब छोटे बड़े शहरों में सरकार के अस्पतालों को 24म7 सिटी हास्पिटल का मजबूत दर्जा चाहिए। प्रदेश के प्रमुख बीस-पच्चीस कालेजों को शिक्षा का मानक बनाने का जज्बा चाहिए। ऐसी बस सेवाएं चाहिएं जो निजी वाहनों की तादाद कम कर दें। हमें क्या जरूरत कि लंबे रूटों के नाम पर इश्तिहार बनाएं। सर्वप्रथम इंटरसिटी कनेक्टिविटी के लिए यात्रा का समय घटाएं। पूर्व परिवहन मंत्री स्व. जीएस बाली ने प्रदेश की राजधानी व कुछ पर्यटकों को जोड़ते हुए एक्सप्रेस बस सेवाओं के तहत छोटे वाहन चलाए थे, लेकिन अब यह सफर बंद हो बया। क्या एचआरटीसी की बसें धर्मशाला से शिमला का सफर पांच घंटे में नहीं करवा सकतीं। क्या हमारे विश्वविद्यालय कम्प्यूटर साइंस, एमबीए तथा अन्य प्रोफेशनल कोर्सों के जरिए राष्ट्रीय पहचान नहीं बना सकते। क्या हमें प्रयास नहीं करना चाहिए कि कुछ स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए मेडिकल टूरिज्म का एक विश्वसनीय आधार पैदा किया जाए।

राय

पांच अगस्त की तारीख

पांच अगस्त, 2019 ऐतिहासिक तारीख थी। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया। वहां का 'विशेष दर्जा' भी खारिज किया गया। 1954 के बाद यह निर्णय संसद ने अपार बहुमत से लिया। सर्वोच्च अदालत इस मुद्दे पर अपना फैसला सुना चुकी है, फिर भी कांग्रेस का एक तबका दावा कर रहा है कि अनुच्छेद 370 मौजूद है। बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत संसद ने अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जम्मू-कश्मीर का 'राज्यत्व' भंग किया और उसे संघशासित क्षेत्र बना दिया। लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग कर एक अन्य संघशासित क्षेत्र का स्वरूप दिया गया। अब 5 अगस्त, 2024 की तारीख गुजरी है, तो जम्मू-कश्मीर में चुनाव की धडक़न सुनाई देने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर में यथाशीघ्र चुनाव होंगे और एक निर्वाचित विधानसभा सामने होगी, लेकिन सवाल है कि कश्मीर का राज्यत्व बहाल होगा अथवा नहीं? क्या विधानसभा उपराज्यपाल के शासन में ही काम करेगी? क्या जम्मू-कश्मीर को भी दिल्ली की तरह आधा-अधूरा काम करना पड़ेगा? उपराज्यपाल अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद चार साल का कार्यकाल बिता चुके हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में चुनाव की बात तो कही है, लेकिन उपराज्यपाल और विधानसभा के संतुलन की भी बात कही है, लेकिन राज्यत्व पर वह अभी खामोश हैं। बहरहाल 2024 की 5 अगस्त को मोदी सरकार के भीतर से एक और विवादास्पद सूचना आई है कि सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन बिल संसद में पेश करने को है। कैबिनेट में चर्चा हो चुकी है और निर्णय एकमत है। देश भर में फैली वक्फ बोर्ड की लाखों संपत्तियों का सत्यापन सरकार करना चाहती है। करीब 10 लाख करोड़ रुपए की संपत्तियां बताई जाती हैं। प्रस्तावित बिल के जरिए मोदी सरकार प्रत्येक बोर्ड और ट्रस्ट में 2-2 महिलाओं की नियुक्ति, बतौर सदस्य, करने के पक्ष में है। यानी सरकार ने एक और इस्लामिक मामले में सेंध लगाना लगभग तय कर लिया है।

वक्फ बोर्ड पर बिल संसद में पेश किया जाएगा, तो उसका ब्योरा स्पष्ट होगा। उसी के आधार पर हम व्याख्या कर सकेंगे, लेकिन मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं ने अभी से चिलचिलाना शुरू कर दिया है। इस तरह 5 अगस्त की तारीख संवैधानिक, सामाजिक, संघीय और कानूनी परिवर्तनों की ऐतिहासिक तारीख बन गई है। जम्मू-कश्मीर में जिस मकसद से अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया था और निर्वाचित विधानसभा भंग की गई थी, उनके हासिल 100 फीसदी नहीं हैं, लेकिन कश्मीर घाटी में आतंकवाद और अलगाववाद के अस्तित्व लगभग जमींदोज हो चुके हैं। हालांकि आतंकवाद खिसक कर जम्मू संभाग में आ गया है, लेकिन आतंकवाद उतना प्रभावशाली नहीं है। मु_ी भर आतंकी शेष हैं। वे पूरी तरह पाकपरस्त हैं। उनके खिलाफ सुरक्षा बलों के ऑपरेशन लगातार चलाए जा रहे हैं। जम्मू के जंगलों ने उन्हें पनाह दी है, लेकिन चूहे जहां भी बिल में घुसे होंगे, वहीं ढेर कर दिए जाएंगे, यह हमारे ऑपरेशनों का संकल्प है। बहरहाल कुछ आंकड़े गौरतलब हैं, जो बदले कश्मीर की पुष्टि करते हैं। अब स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कारोबार सरीखे सभी महत्वपूर्ण संस्थान लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री विकास पैकेज की प्रमुख परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं अथवा पूरी होने के कगार पर हैं। करीब 6000 करोड़ रुपए का जमीनी स्तर पर निवेश हुआ है। संघशासित क्षेत्र बनने के बाद 2020 में करीब 34 लाख पर्यटक आए। 2023 में यह संख्या बढ़ कर 2.11 करोड़ हो गई। सुरक्षा और सामाजिकता के स्तर पर देखें, तो जम्मू-कश्मीर में अब पर्याप्त शांति और स्थिरता है, लिहाजा विकास भी हो रहा है।

सेहत से मिलावट का खिलवाड़

विजय गर्ग

अब शायद शुद्ध भोजन की गारंटी भी नहीं रह गई है। जब बाजार में बिकने वाली खाद्य सामग्री मिलावटी हो सकती है तो फिर घर में पहुंचाए जाने वाले बने-बनाए भोजन की शुद्धता की गारंटी का भरोसा भला कैसे किया जा सकता है! आजकल, सोशल मीडिया पर इस संबंध में सचेत करने वीडियो और दावे प्रसारित होते रहते हैं। मगर कमोबेश पूरे देश में लुभावनी वस्तुओं के प्रति क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बूढ़े सभी आकर्षि हो जाते हैं। ऐसी चीजें उत्सवों, सैर-सपाटे की जगहों, मेलों आदि में खूब लोकप्रिय होती हैं। लगता है कि घर से लेकर आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट-पकौड़े, आईसक्रीम या ठंडाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत हमारे देश में मिली हुई है। हद तो तब होती है जब कहीं भी कोई अपनी मर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी प्रतिबंधित और घातक सामग्री, मसालों, रसायनों आदि का गलत अनुपात में खाने-पीने की चीजों में उपयोग करता दिखता है।

यों तो खाद्य अपमिश्रण रोकने के लिए देश और हर प्रदेश में कड़े कानून हैं। इसके लिए अच्छा-खासा अमला भी तैनात है, जिसकी जिम्मेदारी मिलावटी और प्रतिबंधित खाद्य सामग्री की नियमित जांच करने की है। मगर कहां, कितनी और कब-कब जांच हुई, शायद ही किसी को याद हो? इन अधिकारियों-कर्मचारियों की सरकारी फाइलें इतनी चुस्त-दुरुस्त होती हैं कि अगर कोई पढ़ ले तो उसे लगे कि इससे सटीक व्यवस्था हो ही नहीं सकती। इस भ्रम में पड़ जाए कि ऐसे नियमों के चलते गलत खाद्य सामग्री बाजार में आ ही नहीं सकती। मगर होता ठीक इसके उलट है।

अब तो घरों में मसाला तैयार करना लगभग बंद-सा हो गया है। सभी की निर्भरता बाजार पर हो गई है। पूरे देश में, चाहे गांव, कस्बा, महानगर हो, हर कहीं बाजार में तैयार भोजन या डिब्बाबंद मसालों का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। वहीं छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों तक में रेस्तरां, होटल और ढाबों में शौकिया खाने जाना भी एक तरह से शान की बात हो गई है। बाहर खाने के चलन ने 'आनलाइन फूड' को एक बड़े कारोबार का रूप दे दिया है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि आखिर बाजार में बिकने वाला तैयार खाना या खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य के लिहाज कितनी सुरक्षित है? क्या इनको तैयार करने वालों और बेचने वालों तक पहुंचने से पहले गुणवत्ता की पूरी जांच हो पाती है? इसका जवाब ज्यादातर नहीं है। ऐसे में गुणवत्ता से समझौते या स्तरहीनता को परखने का तंत्र और प्रणाली किस काम की? यह क्यों

जरूरी नहीं कि बाजार में आने वाली हर खाद्य सामग्री जांच से गुजरे। इसी का फायदा निर्माता से लेकर खुदरा बिक्रेता और घर-घर पहुंचाने वालों की पूरी श्रृंखला उठाती है।

निश्चित रूप से खाद्य अपमिश्रण को लेकर भारत में जब-तब मामले और सवाल भी उठते हैं। चाहे सड़क के किनारे, बजबजाती नालियों पर लगे ठेले या रेहड़ी वाले हों या दूर-दराज स्थित ढाबे या फिर बीच शहर के होटल या 'स्ट्रीट फूड' की जगहें। शायद ही कभी वहां नियमित जांच होती हो, जबकि इनकी निगरानी की जिम्मेदारी जिला प्रशासन या स्थानीय प्रशासन की होती है। मिलावट के खेल में मिलावट रोकने वालों की, बेचने वालों से मिलीभगत के चलते ही नियमित रूप से मिलावट की जांच नहीं हो पाती है। दरअसल, इसके लिए अब एक आनलाइन सार्वजनिक डेटाबेस होना चाहिए। चाहे घर से चलने वाली 'टिफिन कैटरिंग' हो या बाजार में बनाकर बेचने या पैक करने का धंधा हो, सब जगह खाने की गुणवत्ता को लेकर सख्ती होनी चाहिए। इतना ही नहीं, परोस कर बेचे जाने वाले हर उस जगह की रसोई कैमरों की निगरानी में हो, जहां बाहर चमकती कुर्सी टेबल पर बैठकर खाने वालों को भी दिखे कि खाना कैसे बनाया और परोसा जा रहा है। आनलाइन आपूर्ति करने वाले की रसोई भी निगरानी तंत्र पर रहें। ऐसा होने पर ही मिलावट के धंधे रुक पाएंगे और डिब्बाबंद अमानक खाद्य सामग्री या प्रतिबंधित अखाद्य पदार्थों पर लापरवाही रुकेगी।

बच्चों को मोबाइल फोन से चिपके रहने से कैसे रोकें?

विजय गर्ग

आज के समय में स्मार्टफोन और इंटरनेट हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। इसके बिना हम अपने दैनिक कार्य भी पूरे नहीं कर पाते। अब ज्यादातर माता-पिता की शिकायत रहती है कि उनका बच्चा फोन बहुत देखता है। अगर उनसे फोन छीन लिया जाए तो वे रोने लगते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्हें कोई बुरी लत है. चूंकि बच्चे हमेशा अपने फोन से चिपके रहते हैं, इसका असर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और मानसिकता पर पड़ता हैफॉल्स इसलिए फोन इस्तेमाल करते समय इन्हें नियंत्रण में रखना बहुत जरूरी है। मोबाइल फोन के ज्यादा इस्तेमाल से कई बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। वे यहां तरह-तरह के वीडियो देखते हैं और खुद को उनके जैसा बनाने के बारे में सोचने लगते हैं। कई बच्चे सोने से पहले इसका इस्तेमाल करते हैं, जिससे उन्हें पूरी नींद नहीं मिल पाती है। यही कारण है कि वे कई बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। हर समय मोबाइल पर लगे रहने के कारण वे किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने के लिए तैयार नहीं होते, जिससे वे चिड़चिड़े हो जाते हैं।बन जाता है यही कारण है कि हमारे आपसी रिश्ते भी ख़त्म होते जा रहे हैं. किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें हम यह भी जानते हैं कि बच्चे बात करके कम और अपने आसपास क्या हो रहा है यह देखकर ज्यादा सीखते हैं, इसलिए अगर हम खुद फोन का इस्तेमाल कम करेंगे तो संभव है कि इसका असर बच्चों पर भी पड़ेगा। बच्चों को फोन से दूर रखने के लिए उन्हें अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखें, जैसे आप उन्हें कोई चित्र बनाने या पहेली हल करने के लिए कह सकते हैं। किताबें पढ़ना, पौधों को पानी देना, अपने कमरे की सफाई करना, चीज़ों को व्यवस्थित रखना आदिकरने के लिए कहें ऐसे में इन कामों में लगे रहने से उनका ध्यान फोन पर कम हो जाएगा। अगर बच्चे बड़े हैं तो उन्हें घर के काम में लगाया जा सकता है। बच्चों के साथ समय बिताएं माता-पिता भी आजकल इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि अगर उनका बच्चा फोन देखे बिना खाना नहीं खाता तो उन्हें क्या करना चाहिए। एकमात्र समाधान यह है कि उन्हें कम खाने दें लेकिन उन्हें फोन के बिना खाने की आदत डालें। जब उसे भूख लगेगी तो वह अगली बार बिना फोन के भी खाना शुरू कर देगा। कई परिवार काम में व्यस्त होने के कारण बच्चों को समय नहीं दे पाते हैं. उनका कर्तव्य है कि जब भी उन्हें समय मिले अपने बच्चों के साथ समय बिताएं। इसके अलावा छोटे बच्चों को फोन की आदत बिल्कुल भी न डालें। यदि संभव हो तो स्क्रीन टाइम के लिए टीवी का उपयोग करें। ऑनलाइन गेम्स का चलन खतरनाक है बच्चों में ऑनलाइन गेम का चलन खतरनाक हद तक बढ़ गया है, जिससे बच्चों को शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान माता-पिता की कमाई भी चोरी हो रही है, जिससे आर्थिक नुकसान भी हो रहा है . ऐसे ही हर दिनआप समाचार पढ़ और सुन सकते हैं। ऑनलाइन गेम के अगले लेवल के नाम पर बच्चे लाखों रुपये लूट लेते हैं. आज के प्रतिस्पर्धी युग में बच्चों को ऐसा लगता है जैसे वे ऑनलाइन गेमिंग के अगले स्तर को पार करके कुछ बड़ा हासिल कर रहे हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। बच्चा इस अंतर को नहीं समझ पाता कि बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए खेल के मैदान में जाकर कड़ी मेहनत करना जरूरी है और ऑनलाइन गेम में ऐसी कोई उपलब्धि संभव नहीं है. पासवर्ड साझा न करें बच्चों के साथ वाई-फाई पासवर्ड साझा न करें। यदि ऐसा कर रहे हैंअगर जरूरी हो तो काम के बाद वाईफाई बंद कर दें। इससे वे इंटरनेट का इस्तेमाल कम कर देंगे. माता-पिता को अपने बच्चों को तब तक फोन नहीं उठाने देना चाहिए जब तक उनका फोन न बजने लगे। उनके फोन पर पासवर्ड भी रखना चाहिए, ताकि बच्चे फोन का इस्तेमाल न कर सकें। खेलने के लिए प्रोत्साहन दें बच्चों को मोबाइल के बजाय

आउटडोर गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें दोस्तों के साथ बाहर खेलने दें। दौड़, खो-खो, हॉकी, फुटबॉल जैसे कई खेल बाहर खेले जा सकते हैं। इसके अलावा बच्चे घर पर ही रहते हैंकैरम, लुका-छिपी, लूडो, शतरंज, शब्द पहेली जैसे कई खेल खेल सकते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे। प्यार से समझाने की कोशिश करें आजकल बच्चों को फोन से दूर रखना सबसे मुश्किल काम है। इसका मुख्य कारण माता-पिता स्वयं हैं क्योंकि वे स्वयं पूरे दिन फोन पर कुछ न कुछ करते रहते हैं। ऐसे में क्या करें कि बच्चे फोन का इस्तेमाल न करें। अगर आप किसी बच्चे को डांटते हैं तो इससे उनकी भावनाएं आहत होती हैं और ऐसा करने से बच्चा मानसिक रूप से कमजोर होने लगता है और बुरा व्यवहार करने लगता है।वे नहीं जाते. इसलिए बच्चों को प्यार से समझाने की कोशिश करें। उन्हें ज्यादा फोन इस्तेमाल के नुकसान बताएं. इस बात का ध्यान रखें कि आप उन्हें जो समझा रहे हैं वह झूठ न लगे।

बांग्लादेश के सियासी संकट से व्यापार भी प्रभावित, क्या भारत के कपड़ा उद्योग को होगा फायदा?

बांग्लादेश के निर्यात में कपड़ा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। बांग्लादेश में प्रोटेस्ट से यह उद्योग भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय खरीदार भारत जैसे वैकल्पिक बाजार का रुख कर रहे हैं। इससे भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को फिर से उभरने का मौका मिल सकता है। अगर 10-11 फीसदी हिस्सा भी शिफ्ट होता है तो भारत को 30-40 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कारोबार मिलने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में सियासी संकट काफी गहरा हो गया है। शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ चुकी हैं और फिलहाल भारत में हैं। देश की कमान फिलहाल सेना के हाथ में है और उसने जल्द ही अंतरिम सरकार के गठन की बात कही है। इस राजनीतिक उथलपुथल का असर बांग्लादेश के व्यापार पड़ रहा है।

टेक्सटाइल सेक्टर पर ज्यादा असर

बांग्लादेश के निर्यात में कपड़ा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। बांग्लादेश में प्रोटेस्ट से यह उद्योग भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय खरीदार भारत जैसे वैकल्पिक बाजार का रुख कर रहे हैं। इससे भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को फिर से उभरने का मौका मिल सकता है।

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि अगर बांग्लादेश के निर्यात का 10-11 फीसदी हिस्सा भी तिरुपुर जैसे भारतीय केंद्रों में शिफ्ट होता है, तो भारत को हर महीने 30-40 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कारोबार मिलने की उम्मीद है।

भारत को हो सकता है फायदा

बांग्लादेश का मंथली अपैरल एक्सपोर्ट 3.5 से 3.8 अरब डॉलर के बीच है। इसका यूरोपीय यूनियन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे बड़े बाजारों में हिस्सेदारी दोहरे अंकों में है। वहीं, भारत की बात करें तो हम हर महीने करीब 1.3 से 1.5 अरब डॉलर का निर्यात कर रहे हैं।

उद्योग संस्था इंडियन टेक्सप्रेन्योर फेडरेशन के सचिव प्रभु दामोदरन ने कहा, 'बांग्लादेश में हालात जटिल होने से अंतरराष्ट्रीय खरीदार कुछ ऑर्डर भारत और अन्य देशों में शिफ्ट कर सकते हैं। भारत का हर महीने परिधान निर्यात 1.3 से 1.5 अरब डॉलर के बीच है। हम 30 से 40 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त ऑर्डर को आसानी से संभाल लेंगे।'

कारखाने भी भारत में शिफ्ट होंगे!

बांग्लादेश में भारतीयों के मालिकाना हक वाली कई फैक्टरियां हैं। अगर संकट और अधिक गहराता है, तो वे भारत में भी शिफ्ट हो सकती हैं। कारोबार नीति विश्लेषक एस चंद्रशेखरन के अनुसार, बांग्लादेश में लगभग 25 फीसदी कारखानों के मालिक भारतीय हैं।

बांग्लादेश में अस्थिरता से भारत सहित अन्य देशों के आयात-निर्यात पर होगा असर

परिवहन विशेष न्यूज

एक नई रेटिंग रिपोर्ट में पता चला है कि बांग्लादेश से निर्यात में गिरावट से समूचे वित्त वर्ष की उसकी समग्र व्यापार स्थिति पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। बांग्लादेश में अस्थिरता से भारत का कपड़ा और परिधान क्षेत्र चिंतित है। पड़ोसी देश में हुए घटनाक्रम का उन कंपनियों पर सबसे ज्यादा असर होगा जिनकी वहां मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयां हैं।

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मुताबिक, भारत एक विविध निर्यातक देश है और बांग्लादेश से निर्यात में गिरावट से समूचे वित्त वर्ष की उसकी समग्र व्यापार स्थिति पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। सावरेन एंड इंटरनेशनल पब्लिक फाइनेंस रेटिंग्स के निदेशक (एशिया-प्रशांत) एंड्रयू वुड ने कहा, 'एसएंडपी को उम्मीद है कि इस दौरान बांग्लादेश में घरेलू मांग की स्थिति कमजोर रहेगी औंर संभवतः भारत सहित अन्य देशों से बांग्लादेश को होने वाले निर्यात में कमी आएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारत का राजकोषीय घाटा कम रहता है तो हम रेटिंग को अपग्रेड कर सकते हैं। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत एशिया में पड़ोसी देश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2022-23 में बांग्लादेश को भारत का निर्यात 12.21 अरब डालर से घटकर 2023-24 में 11 अरब डालर रह गया। भारत के मुख्य निर्यात में सब्जियां, काफी, चाय, मसाले, चीनी, रिफाइंड पेट्रोलियम तेल, रसायन, कपास, लोहा और इस्पात तथा वाहन आदि शामिल हैं। मुख्य आयातित चीजों में मछली, प्लास्टिक, चमड़ा और परिधान आदि शामिल हैं।

भारत का कपड़ा और परिधान क्षेत्र चिंतित

भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ (सीआइटीआई) ने कहा है कि बांग्लादेश में अस्थिरता से भारत का कपड़ा और परिधान क्षेत्र चिंतित है। पड़ोसी देश में हुए घटनाक्रम का उन कंपनियों पर सबसे ज्यादा असर होगा, जिनकी वहां मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयां हैं।

कपड़ा उद्योग संगठन का मानना है कि बांग्लादेश में किसी भी आपूर्ति व्यवधान का तत्काल असर सप्लाई चेन पर पड़ेगा। इससे भारतीय कंपनियों की डिलीवरी समयसीमा प्रभावित हो सकती है। सीआइटीआई की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति वास्तव में चिंताजनक है और हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। कपड़ा क्षेत्र में बांग्लादेश ने जिस तरह की तरक्की की है, वह प्रेरणादायक और इसने पूरे उपमहाद्वीप में व्यापार प्रवाह को मजबूती दी है। हम सप्लाई चेन पर पड़ने वाले प्रभव और इसके कारण होने वाली संभावित देरी और व्यवधानों के बारे में चिंतित हैं और हमें उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी।

जय श्रीवास्तव, संस्थापक, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि स्थिर और मजबूत बांग्लादेश में भारत की रणनीति रुचि है। हम गेहूं, चावल, दाल, प्याज, मसाले, चीनी, खली और बिजली का बांग्लादेश को निर्यात करते हैं। अगर इन सामानों की आपूर्ति में किसी तरह का व्यवधान आता है तो वहां इनकी कीमतों में वृद्धि होगी और लोगों की परेशानी बढ़ेगी। यदि राजनीति उथल-पुथल की स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो यह भारतीय व्यवसायों को वैकल्पिक बाजार तलाशने के लिए मजबूर कर सकती है।

निर्यात और आयात गतिविधियां ठप

अजय सहाय, महानिदेशक और सीईओ, फियो ने कहा कि बांग्लादेश के साथ निर्यात और आयात गतिविधियां कमोवेश ठप हैं। व्यवधान पिछले पखवाड़े से ही दिखाई देने लगे थे, जिससे कुछ हद तक निर्यात प्रभावित हुआ है। हालांकि जल्द खराब होने वाले उत्पादों का निर्यात हमेशा की तरह जारी थी, लेकिन सोमवार की घटना के बाद उसे भी रोक दिया गया है। अनियमित इंटरनेट बैंकिंग क्षेत्र के लिए चुनौती बन रहा है और इससे भी निर्यात पर असर पड़ा है। बांग्लादेशी समकक्षों के संपर्क में रहने वाले भारतीय निर्यातकों से बात करने पर पता चला है कि समस्या का हल जल्द ही निकल आएगा और हमेशा की तरह व्यापार एक बार फिर शुरू हो जाएगा।

1100 रुपये सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी बड़ी गिरावट ; क्या खरीदारी का बन गया मौका ?

परिवहन विशेष न्यूज

मंगलवार को जौहरियों की ओर से कमजोर मांग की वजह से राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1100 रुपये गिरकर 71700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले सत्र में यह कीमती धातु 72800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में भी लगातार चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और मंगलवार को यह 2200 रुपये गिरकर 82000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी के घटाने के बाद सोने के भाव में बड़ी गिरावट आई थी। लेकिन, फिर वैश्विक अनिश्चितताओं और जौहरियों से अच्छी डिमांड के चलते कीमतों में तेजी आ रही थी। हालांकि, मंगलवार को जौहरियों की ओर से कमजोर मांग की वजह से राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1,100 रुपये गिरकर 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले सत्र में यह कीमती धातु 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में भी लगातार चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और मंगलवार को यह 2,200 रुपये गिरकर 82,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि पिछले कारोबार में यह 84,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। 2 अगस्त को चांदी की कीमत 86,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। उसके बाद से पिछले चार सत्रों में चांदी की कीमत में 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स में सोना 20 डॉलर गिरकर 2,409 डॉलर प्रति औंस रह गया।

क्यों गिरे सोने और चांदी के भाव

कारोबारियों ने कहा कि आभूषण विक्रेताओं और खुदरा खरीदारों की मांग में कमी दर्ज की गई, जिसके कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार के अनुसार, त्योहारी सीजन से पहले रुपये में कमजोरी और भौतिक मांग से घरेलू सोने की कीमतों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंक की मांग और कम ब्याज दरें सोने की कीमतों के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

जापान और अमेरिका फैक्टर का असर

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटी रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, ₹बैंक ऑफ जापान में 18 साल से अधिक समय से नकारात्मक ब्याज दर थी, और ब्याज दर में अचानक वृद्धि ने जापान और अमेरिका के बीच दर अंतर को कम कर दिया, जिससे कैरी ट्रेड अनवाइंडिंग प्रभावित हुई और प्रमुख परिसंपत्ति वर्गों में दबाव बढ़ गया।₹

दूसरी ओर, कमजोर डॉलर भी मेटल मार्केट में मदद करता है, क्योंकि कमजोर अमेरिकी इकोनॉमिक रीडिंग के कारण व्यापारियों ने इस साल अमेरिकी ब्याज में अधिक कटौती की उम्मीद की थी। इसके अलावा, अमेरिका से कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने बाजार प्रतिभागियों को डरा दिया और चिंता बढ़ा दी कि अमेरिका शुरू में उम्मीद से अधिक तेजी से धीमा हो सकता है।

तीन दिन की गिरावट में निवेशकों के 22 लाख करोड़ खाक, अब शेयर मार्केट में आगे क्या?

शुक्रवार और सोमवार की तेज गिरावट के बाद भारतीय शेयर मार्केट ने मंगलवार को एशियाई बाजारों की तरह वापसी करने की कोशिश की। शुरुआती कारोबार में अच्छी तेजी भी दिखी। लेकिन बाद में मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई। निवेशक येन में तेजी कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव पर नजर रख रहे हैं।

नई दिल्ली। अमेरिका में मंदी की आहट और जापान में ब्याज दरों में इजाफे ने दुनियाभर के शेयर मार्केट में भूचाल ला दिया। भारत का स्टॉक मार्केट भी इससे अछूता नहीं रहा। तीन दिन की गिरावट में निवेशकों की संपत्ति 22 लाख करोड़ रुपये घट गई। बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स की बात करें, तो यह 4 फीसदी टूटा है।

तीन दिन में 3,274.48 अंक टूटा सेंसेक्स

सेसेंक्स 1 अगस्त को 82,129.49 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद इसे अमेरिका और जापान की नजर लगी और यह 3,274.48 अंक यानी 3.99 फीसदी टूट गया। बीएसई-सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण तीन कारोबारी दिनों में 22,02,996.27 करोड़ रुपये घटकर 4,39,59,953.56 करोड़ रुपये (5.24 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) पर आ गया।

सोमवार को सेंसेक्स 2,222.55 अंक यानी 2.74 फीसदी गिरकर 78,759.40 पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार के दौरान यह 2,686.09 अंक यानी 3.31 प्रतिशत गिरकर 78,295.86 पर आ गया। मंगलवार को बेंचमार्क 166.33 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 78,593.07 पर बंद हुआ। हालांकि, दिन के कारोबार में इसमें 1,092.68 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की तेजी आई थी।

मार्केट की गिरावट पर एक्सपर्ट की राय

मेहता इक्विटीज लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) प्रशांत तापसे ने कहा, ₹अमेरिका और यूरोपीय इक्विटी में नकारात्मक भावना बनी रही। इसका असर स्थानीय बाजारों पर भी पड़ा। बैंकिंग, टेलिकॉम और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली के कारण सूचकांकों में भारी गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में 1,000 से अधिक अंक चढ़ने के बाद बाजार में तेजी से गिरावट आई और यह लाल निशान में चला गया।₹

इससे पहले सोमवार को जापानी और अन्य वैश्विक बाजारों में तेज गिरावट ने दलाल स्ट्रीट पर कहर बरपाया। साथ ही, कमजोर रोजगार आंकड़ों ने निवेशकों में अमेरिकी बाजार में संभावित मंदी की आशंका पैदा कर दी।

बाकी एशियाई मार्केट में तेजी, भारत में मुनाफावसूली

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, "भारतीय शेयर बाजार ने एशियाई बाजारों की तरह वापसी करने की कोशिश की। शुरुआती कारोबार में वह सफल भी रहा। लेकिन, फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई और निफ्टी 24,000 के सीमा स्तर से नीचे बंद हुई। निवेशक येन में तेजी, कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव पर नजर रख रहे हैं।"

बी.आई.एस हॉलमार्क वाले शुद्ध सोने की चुटकियों में कर सकते हैं पहचान, 3 साइन का रखें बस ध्यान

सोने की खरीदारी के लिए सोना कितना खरा है यह जानना बेहद जरूरी है। सोने की खरीदारी करने जाते हैं तो इसकी शुद्धता को लेकर हर किसी के मन में तरह-तरह के सवाल आते हैं। हालांकि कहा यही जाता है कि जब भी सोना खरीदें तो ध्यान दें कि सोना बीआईएस हॉलमार्क वाला हो। लेकिन सवाल यह कि हॉलमार्क वाले सोने की पहचान कैसे हो।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में किसी खास अवसर और तीज-त्योहार पर सोना खरीदने का प्रचलन है। शादी-ब्याह की बात आती है तो सोने के जेवरात बनवाए जाते हैं, क्योंकि सोना खरीदना शुभ माना जाता है। गोल्ड ज्वेलरी खरीदने जाते हैं तो मन में यह सवाल जरूर आता है कि क्या हम शुद्ध सोना खरीद रहे हैं। कहीं गली-नुक्कड़ पर बनी गोल्ड ज्वेलरी की दुकान में धोखाधड़ी तो नहीं होगी। क्या बड़े ब्रांड ही शुद्ध सोना उपलब्ध करवाते हैं। ऐसे न जाने कितने ही सवाल हमारे मन में आते हैं। ऐसे ही सभी सवालों का एक जवाब हमें सुनने को मिलता है- वह यह कि जब भी सोना खरीदें तो ध्यान दें कि सोना बीआईएस हॉलमार्क वाला हो। लेकिन सवाल दोबारा यही कि बीआईएस हॉलमार्क वाले शुद्ध सोने की पहचान कैसे की जाए? इस आर्टिकल में आपको शुद्ध सोने की खरीदारी से जुड़े तीन ऐसे साइन के बारे में ही बता रहे हैं, जिन्हें देखकर आप तुरंत सोने की शुद्धता जांच सकते हैं। यह काम जूलरी खरीदने के साथ ही किया जा सकेगा।

ध्यान रखें जब भी सोने की खरीदारी करें यह भारतीय मानक ब्यूरो (The Bureau of Indian Standards) द्वारा हॉलमार्क वाला हो।

भारतीय मानक ब्यूरो के हॉलमार्किंग साइन को आपको गोल्ड आइटम पर देखना होगा। 1 जुलाई, 2021 से सरकार ने गोल्ड जूलरी पर हॉलमार्किंग साइन को रिवाइज किया है। बीआईएस हॉलमार्किंग गोल्ड पर आपको तीन सिंबल देखने होंगे-

BIS हॉलमार्किंग गोल्ड के तीन सिंबल

1. BIS स्टैंडर्ड मार्क
2. प्योरिटी फिटनेस ग्रेड
3. 6 डिजिट वाला अल्फानुमेरिक कोड (HUID Number)

BIS स्टैंडर्ड मार्क

गोल्ड आइटम पर आपको सबसे पहला साइन बीआईएस लोगो खोजना है। यह शेप त्रिभुज/तिकोना/त्रिकोण वाली होगी। गोल्ड ज्लेवरी पर इस लोगो का स्टैंप बताता है कि खरीदी जा रही ज्वेलरी को बीआईएस सर्टिफाइड सेंटर से चेक किया गया है।

प्योरिटी फिटनेस ग्रेड

गोल्ड आइटम की खरीदारी करने पर दूसरा साइन आपको गोल्ड की प्योरिटी का खोजना है। यह साइन गोल्ड प्योरिटी की डिग्री बताएगा।

गोल्ड की कैटेगरी - 14K, 18K, 20K, 22K, 23K and 24K

- अगर गोल्ड ज्वेलरी पर 22K916 स्टैंप है तो इसका मतलब है कि गोल्ड आइटम जिसे आप खरीद रहे हैं उसमें 91.6% सोना है और 8.4% दूसरे मेटल हैं।
- अगर गोल्ड ज्वेलरी पर 18K750 स्टैंप है तो इसका मतलब है कि गोल्ड आइटम जिसे आप खरीद रहे हैं उसमें 75% सोना है और 25% दूसरे मेटल हैं।
- अगर गोल्ड ज्वेलरी पर 14K585 स्टैंप है तो इसका मतलब है कि गोल्ड आइटम जिसे आप खरीद रहे हैं उसमें 58.5% सोना है और 41.5% दूसरे मेटल हैं।

6 डिजिट का अल्फान्यूरिक कोड

गोल्ड जूलरी खरीदने के दौरान आपको गोल्ड आइटम पर तीसरा साइन 6 डिजिट वाला एक कोड खोजना होगा। इस कोड को हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर (HUID) कहते हैं। यह कोड हर जूलरी पीस के लिए अलग और यूनिक होता है। इस अल्फान्यूमेरिक कोड को BIS Care App पर भी वेरिफाई किया जा सकता है।

बता दें, बिल पर 6 डिजिट का अल्फान्यूमेरिक कोड दर्ज किया जाना अनिवार्य नहीं रखा गया है।

BIS हॉलमार्क गोल्ड जूलरी पर चार्ज

BIS हॉलमार्क गोल्ड जूलरी खरीदेंगे तो आपसे इसके लिए एक चार्ज भी लिया जाएगा। आपसे गोल्ड के लिए 45 रुपये पर आइटम के हिसाब से लिया जाएगा। इस चार्ज को गोल्ड की कीमत के साथ जोड़ा जाएगा। यह एक फ्लैट चार्ज होता है। जो गोल्ड के वजन से जुड़ा नहीं होता। बता दें, 4 मार्च 2022 से पहले हॉलमार्किंग चार्ज 35 रुपये पर पीस था।

बांग्लादेश में उथल-पुथल के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ? हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर सरकार-विपक्ष एकमत

परिवहन विशेष न्यूज

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत नजर बनाये हुए है। इस बीच सरकार ने मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में विपक्षी नेताओं की चिंताओं और सवालों पर व्यापक रूप से चर्चा करते हुए सरकार ने उन्हें अपने भरोसे में लिया। सूत्रों के अनुसार विदेशमंत्री ने बांग्लादेश के घटनाक्रम से भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों से लेकर वहां बाहरी हस्तक्षेप की स्थिति में भारत की रणनीति पर चर्चा की।

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भविष्य को लेकर भारत उनसे बातचीत कर रहा है मगर रणनीतिक वजहों से इसका खुलासा नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश में हो रहे गंभीर हिंसक आंदोलन के पीछे चीन-पाकिस्तान और अमेरिका की भूमिका से जुड़े पहलुओं का भी भारत गहराई से आकलन कर रहा है।

इसके मद्देनजर ही भारत ने बांग्लादेश के ताजा हालत पर रणनीतिक निगाहें रखते हुए अपनी सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों को सीमा पर हाई अलर्ट कर रखा है। तख्ता पलट के बाद भारत पहुंची शेख हसीना के साथ केवल उनकी बहन रेहाना ही नहीं बल्कि कई करीबी रिश्तेदार भी साथ आए हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर मंगलवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं की चिंताओं और सवालों पर इन तथ्यों से रूबरू कराते हुए सरकार ने उन्हें भरोसे में लिया। बांग्लादेश में तख्तापलट से फैली अराजक स्थिति के बीच शेख हसीना के भारत में आने के एक दिन बाद ही केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जिसमें विदेशमंत्री एस जयशंकर ने ताजा हालात से विपक्षी नेताओं को रूबरू कराया।

'भारत स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है'

सूत्रों के अनुसार विदेशमंत्री ने बांग्लादेश के घटनाक्रम से भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों से लेकर वहां बाहरी हस्तक्षेप की स्थिति में भारत की रणनीति पर चर्चा की। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बांग्लादेश के हिंसक घटनाक्रमों के रणनीतिक पहलुओं से जुड़ा सवाल पूछते हुए कहा कि क्या सरकार को इस तरह के उथल-पुथल का कुछ पुर्वानुमान था और क्या इसके पीछे ढाका से बाहर की ताकतों विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान की भूमिका के बारे में कोई जानकारी है। सूत्र के अनुसार जयशंकर ने कहा कि भारत स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और बाहरी ताकतों की बात है तो अभी पाकिस्तान के एक राजनयिक के मोबाइल में बदले हुए डीपी के बारे में जानकारी है जो विद्रोह को समर्थन देने के उनकी रुझान को दर्शाता है जिसकी हम पड़ताल कर रहे हैं।

भारत सरकार की इसे रोकने की क्या रणनीति है?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ मंदिरों पर हमले पर चिंता जताते हुए नेता विपक्ष ने पूछा कि भारत सरकार की इसे रोकने की क्या रणनीति है? विदेशमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे तथा उनकी संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है और सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाएगी। बांग्लादेश के सेना प्रमुख से लेकर उनकी आथरिटी के साथ संपर्क बना हुआ है। बांग्लोदश की पूर्व पीएम के भारत में रहने से लेकर राजनीतिक शरण को लेकर भी सवाल हुए और सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने पूछा कि शेख हसीना से उनके भविष्य को लेकर सरकार की क्या बातचीत हुई है? जयशंकर ने इस पर कहा कि हसीना से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में बातचीत हुई है मगर इसका खुलासा नहीं किया जा सकता।

कुछ करीबी रिश्तेदार के साथ हसीना ने ली भारत में शरण

हसीना के साथ हिंडन एयरफोर्स बेस पहुंचे उनके करीबी लोगों के बारे में भी सवाल हुए तो विदेशमंत्री ने कहा कि कुछ करीबी रिश्तेदार उनके साथ आए हैं मगर इनकी संख्या का खुलासा करना मुनासिब नहीं होगा। बांग्लादेश की पूर्व पीएम के ब्रिटेन, फिनलैंड और दुबई में राजनीतिक शरण की चर्चाओं पर भी सवाल हुए जिस पर विदेशमंत्री ने कहा कि हसीना की इन देशों से बातचीत चल रही है।

भारत में कुछ दिन और रह सकती हैं हसीना

सूत्रों ने बताया कि विपक्षी नेताओं को जो संकेत दिए गए उसके मुताबिक ब्रिटेन में राजनीतिक शरण में अभी कुछ अवरोधक हैं जिसमें हसीना को कानूनी बचाव का कवच देने का मसला है। बांग्लादेश में उनके खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मंचों की निगरानी में जांच की संभावनाओं को देखते हुए कानूनी कवच देने की गारंटी देने के लिए ब्रिटेन अभी राजी नहीं हुआ है। ऐसे में राजनीतिक शरण का फैसला होने में थोड़ा वक्त लग सकता है और हसीना अभी भारत में कुछ दिन और रह सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान चर्चाओं के हिसाब से शेख हसीना को फिलहाल दुबई में राजनीतिक शरण मिलने की संभावनाएं ज्यादा हैं।

विपक्षी नेताओं ने सरकार को पूरा समर्थन देने का दिया भरोसा

सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं ने बांग्लादेश मुद्दे पर राजनीतिक लाइन से इतर सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया और कहा कि राष्ट्रीय हित के मामले में हम सब एक साथ हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंधोपाध्याय ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र के हर निर्णय के साथ है मगर उनका आग्रह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बांग्लादेश से जुड़े मामले की जानकारी देकर उनको भरोसे में लिया जाए। सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश घटनाक्रम पर राजनीतिक दलों के मिले समर्थन को विदेशमंत्री ने पहले एक्स पर पोस्ट और फिर संसद में दिए बयान में खुले रूप में स्वीकार करते हुए कहा कि सर्वसम्मति से मिले समर्थन और समझ की वे सराहना करते हैं।

AAP को सरकार ने इस बैठक में नहीं किया आमंत्रित

बैठक में सरकार की ओर से गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आदि मौजूद थे तो विपक्ष की ओर से राहुल गांधी के अलावा द्रमुक के टीआर बालू, जनतादल यूनाइटेड के राजीव रंजन सिंह ललन, सपा के राम गोपाल यादव, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन, राजद की मीसा भारती, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, बीजू जनतादल के सस्मित पात्रा, एनसीपी पवार गुट की सुप्रिया सुले, तेलुगुदेशम के राममोहन नायडू आदि मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी को सरकार ने इस बैठक में आमंत्रित नहीं किया था।

थाना प्रीत विहार द्वारा एक स्नैचर चोरी के 18 फोनों के साथ गिरफ्तार

सुषमा रानी

दिल्ली पूर्वी जिला के थाना प्रीत विहार के पुलिसकर्मियों द्वारा एक स्नैचर को गिरफ्तार किया गया तथा 18 स्नैच/चोरी किए गए स्मार्टफोन बरामद किए गए। पूर्वी

दिल्ली पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के अनुसार 03 अगस्त को थाना प्रीत विहार में एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कमल नामक अपराधी, जो थाना प्रीत विहार तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों से मोबाइल फोन स्नैच करने तथा चोरी करने के लिए जाना जाता है, रात में हर्बल पार्क, ए ब्लॉक मार्केट, प्रीत विहार, दिल्ली के पास मोबाइल फोन बेचने के लिए आएगा। इस सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत कर एक टीम तैयार की गई। एसएचओ/प्रीतविहार, मुकेश कुमार, एसआई दिनेश त्यागी, एसआई शेर सिंह, एचसी विशाल, एचसी परमवीर, एचसी विश्वनाथ और कांस्टेबल रोहित शामिल थे।

सूचना के आधार पर, हर्बल पार्क, ए ब्लॉक मार्केट, प्रीतविहार, दिल्ली के पास सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जहां एक आरोपी व्यक्ति, जिसकी पहचान कमल निवासी साहिबाबाद, गाजियाबाद यूपी, उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई, को गिरफ्तार किया गया। सरसरी तलाशी लेने पर, उसके कब्जे से एक मोबाइल बरामद किया गया, जो पीएस प्रीतविहार, दिल्ली के अनुसार चोरी हुआ पाया गया। इसके अतिरिक्त, कमल के कब्जे से रेडमी, ओप्पो, सैमसंग, टेक्नो स्पार्क, वीवो, रियलमी, नथिंग और इनफिनिक्स सहित विभिन्न ब्रांडों के 17 अन्य स्मार्टफोन से भरा एक कपड़े का बैग बरामद किया गया, जो इन फोनों को रखने का कोई उचित कारण नहीं बता सका। गहन पूछताछ करने पर, उसने स्वीकार किया कि उसने पीएस प्रीतविहार और उसके आस-पास के क्षेत्रों के अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न क्षेत्रों से इन मोबाइल फोन को छीना/चोरी किया था। इसके तहत पीएस प्रीतविहार में एक स्नैचिंग का मामला दर्ज किया गया था। आगे की जांच जारी है।

आरोपी कमल पर स्नैचिंग का एक आपराधिक मामला पहले भी दर्ज है।

जगन्नाथ पुरी मंदिर में दर्शन करके नगर में पधारने पर हुआ भव्य सम्मान

परिवहन विशेष न्यूज

जगन्नाथ पुरी कालका माता मंदिर गंगा सागर माया परी सूर्य कौण विष्णु हरि मंदिर दर्शन करके नगर पधारने पर कोरेमुला में सीरवी समाज अध्यक्ष कालुराम काग - कंचन देवी, सचिव डायाराम लचेटा -पाबुडी देवी लचेटा, लाबुराम पंवार -जिम्मनी बाई पंवार, लक्ष्मण राम हाम्बड़ -लीला देवी हाम्बड़ का सम्मान करने के बाद उपस्थित सुरेश काग, सुखलाल काग, नरेश काग, ललित काग, सुरेश पंवार, भावेश काग, तरुण रणजीत योगिता काग, रेणुका काग, ममता पंवार व अन्य।

विभिन्न क्षेत्रों के 10 लोगों को डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया

सुषमा रानी

अमरावती : महाराष्ट्र के अमरावती क्षेत्र में एक मानद डॉक्टरेट पुरस्कार प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें मुल्क के विभिन्न क्षेत्र से लोग शामिल हुए। स्टार न्यूज टेलिविजन के संस्थापक मोहम्मद नौशाद उस्मानी साथ साथ अलग अलग क्षेत्र के अन्य 10 लोगों को उनके सामाजिक मानवीय शैक्षिक एवं सामाजिक सौहार्द के उन्नयन के लिए किये जा रहे निरंतर उत्कृष्ट प्रयासों हेतु थिओफनी इंटरनॅशनल युनिव्हर्सिटी हैती, वर्ल्ड असोसिएशन ऑफ रायटर्स पोएट्स अँड आर्टिस्ट्स पेरू, यब्रा स्कॉलर्स अँड फेलो युनिव्हर्सिटी फिलीपीन द्वारा डॉक्टर की मानक उपाधि और 2 व्यक्ति को डीलिट एवं एक व्यक्ति को एल एल डी की डिग्री प्रदान की गई जिस पर स्टार न्यूज़ टेलीविजन परिवार सहित अन्य संस्थाओं द्वारा सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे कार्य के साथ महिलाओं के खिलाफ हिंसा मानवता के खिलाफ अपराधों की अस्वीकृति मानवता और वैश्विक शांति के पक्ष में अनेक काम के माध्यम से सम्मानित किया गया है जो विकास के उद्देश्यों के उपलब्धि में योगदान करते हैं यह सम्मान अध्यक्ष अनिल भट्कर, चीफ होस्ट प्रोफेसर डॉक्टर अब्दुल अकील, विजय रावत डायरेक्टर एनीमेशन कॉलेज अमरावती महाराष्ट्र, मोहम्मद जिलानी रिटायर्ड सिविल सर्जन, डॉक्टर स्पीच डॉक्टर बी जी खोबरागड़े रिटायर्ड जॉइंट सेक्रेटरी द्वारा यह सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर चीफ होस्ट प्रोफेसर डॉक्टर अब्दुल अकील ने कहा कि हम देश के अलग अलग क्षेत्र से ऐसे लोगों का चयन करते हैं जो एक लंबे समय से किसी भी फील्ड में विशाल कार्य करते हों जिस से सामाजिक भलाई और देश का विकास जुड़ा हो।

इस अवसर पर मुंबई से डॉक्टर अशफ़ाक उमर, तबस्सुम मनजूर नाडकर, नाजिमा रहबरी, के साथ साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

संगीत की महफिल : संजय एम.तराणेकर की नजर में

राजेंद्र गलगले ने जीवन के रंग रफी के संग में रसीको को लुभाया

संजय एम.तराणेकर

इंदौर। मोहम्मद रफी के शताब्दी वर्ष और पुण्यतिथि पर संगीत सरगम द्वारा श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति में जीवन के रंग रफी के संग कार्यक्रम में संगीत रसीको को झूमने पर मजबूर कर दिया। वरन हॉल छोटा पड़ गया। इस संगीत कार्यक्रम के श्रोता रहें संजय एम.तराणेकर ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादमी भोपाल मध्यप्रदेश शासन के निर्देशक जयंत भिसे और संगीत सरगम के संस्थापक पंडित सुनील मसूरकर द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुई।

राजेंद्र गलगले और रमेश गुरु ने उपशास्त्रीय बंदिश तू है मेरा प्रेम देवता से कार्यक्रम में सुरीली आमद की और दाद बटोरी। बाद में दिल का भवर करे पुकार से राजेंद्र गलगले ने रंग भरा। सिमरजीत कौर ने हुई शाम उनका खयाल और आपके हसीं रुख द्वारा अपनी गायिकी से दाद बटोरी। मोइन खान ने तेरे नाम का दीवाना और ये जुल्फ अगर खुल के द्वारा कार्यक्रम में अपनी सुरीली गायिकी से रसीको को झूमने पर मजबूर कर दिया। उस्ताद अमीर खां साहब के घराने के गायक मोइन खान को अरसे बाद रसीको ने कार्यक्रम में सुना और वाह वाही से नवाजा। युगल गीत ये दिल तुम बिन, आवाज देकर हमे तुम बुलाओ, ठहरिये होश में आ लू, अजहुँन आये बालमा, रात के हमसफ़र, इशारों इशारों में दिल देने वाले, के आजा तेरी याद आयी, इतना तो याद है मुझे में नेहा ठाकुर, ज्योति शर्मा, नेहा पंवार ने बहुत अच्छा साथ दिया। कुछ युगल गीत गम की अंधेरी रात में, कैसी हसीन आज बहारो की रात, बने चाहे दुश्मन जमाना में श्रीकांत काशीकर, नरेन्द्र उपाध्याय ने बेहतरीन साथ दिया। रमेश गुरु ने तुहारी जुल्फ के साये और जब भी ये दिल उदास द्वारा दाद बटोरी। राजेंद्र गलगले जी कंल पूरे शबाब पर थे। पूरे दिल से हर गीत को निभा रहे थे। एक श्रोता ने आकर कहा कि अगर इनका दिल चिर के देखे तो उसमें रफी मिलेंगे। ये बहुत बड़ा कमेंट्स मिला। मोइन भाई के क्या कहने बहुत ही शिद्दत से गीतों को निभाते है। गानों के सीक्वेंस ने भी दाद बटोरी। सिमरजीत से नया प्रयोग सफल रहा। हुई शाम और आपके हसीं रुख ने बेहतर समा बाँधा। ज्योति, नेहा ठाकुर, नेहा पवार ने क्या खूब गाया। रमेश गुरु और नरेन्द्र उपाध्याय जी ने अपने सभी गीतों से भरपूर दाद पाई। श्रीकांत जी ने तलत के पार्ट को क्या खूबी से उठाया। संगीत संयोजन में हर्षद शेगांवकर ने सिंथेसाइजर पर गीतों के लाजवाब पीसेस बजाए। योगेश्वर कान्हेरे ने गिटार पर अमोल करखानिस ने तबला और बांगो पर आयुषी मकवाना ने ऑक्टोपड और खास अशरफ ने ढोलक पर कमाल का साथ दिया। सबसे बड़ी बात श्रोताओं ने कभी भी सीट को नही छोड़ा। पौने 3 घण्टे तक लोगो ने खडे होकर कार्यक्रम को सुना ये कही देखने को नही मिलता। पूरा कार्यक्रम रफी जी के आशीर्वाद से शबाब पर था। कार्यक्रम का संचालन डॉ विवेक गावड़े और श्रीधर कामत ने रफी जी के संगीत सफर की जानकारी से रसीको को अचंभित किया।

ओड़िशा में फिर आलू की कमी

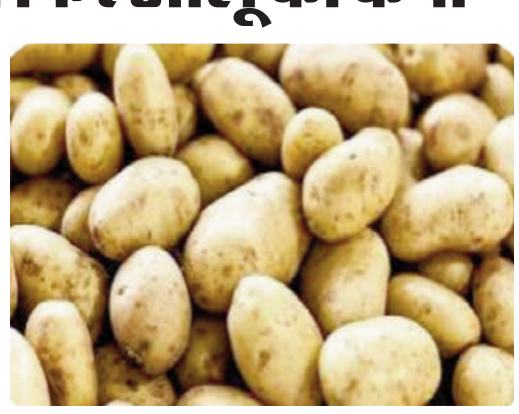

मनोरंजन सासमल , स्टेटे हेड उडीशा, भुबनेश्वर : फिर आलू की कमी, भुवनेश्वर एइग्निया आलू गोदाम भी खाली है। आज सुबह सूचना मिली है कि एगनिया गोदाम में आलू नहीं है। ऐसे में आलू की कीमतें फिर बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, आलू नहीं आने की खबर के बाद व्यापारियों ने जो भी आलू उपलब्ध है, उसे ऊंचे दामों पर बेचना शुरू कर दिया है। कैंपर्स को परेशानी हो रही है। कल कुछ ग्राहकों ने 35 से 40 रुपये में आलू खरीदा था, लेकिन आज वे 50 से 60 रुपये में खरीदने को मजबूर हैं। अगर प्रशासन ने इस पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया तो स्थिति बिगड़ने की आशंका है। आलू बेचने के लिए आज कटक के छत्रबाजार नहीं आ सकता। आलू की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है। कटक में आलू की कीमतें 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। पहले आलू 40 रुपये बिकता था, लेकिन आज 50 रुपये तक पहुंच गया है. जिसे लेकर ग्राहक अब परेशान है।

कविता : मेहताब

खिलीं-खिलीं सी हैं जुल्फे,
निखरा-निखरा सा हैं रूप.
धूप में भी निकल जाओ,
तो सबको छांव लगेगी।
तेरे शबनमी होठों की हंसी,
सबको गुलाब लगेगी।
महक उठेगा हर आंगन,
हर दिल में होगा स्पंदन।
तेरी एक ही मुस्कुराहट,
हुस्न की शराब लगेगी।
हर कोई देखेगा ख्वाब।
हर किसी को इश्क़ की,
तू एक मेहताब लगेगी।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
31, संजय नगर, इंदौर (मध्यप्रदेश)
फ़ोन : 98260-25986

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023